हरिभूमि
रायपुर भूमि

» बंगाल की खाड़ी में बने निम्नदाब क्षेत्र के कारण बढ़ेंगी मानसून गतिविधियां

» जुलाई के दूसरे पखवाड़े में भी सामान्य से 31 प्रतिशत कम वर्षा

मानसून ब्रेक टूटा... 3.5 सेमी बारिश, उत्तर मध्य भाग भीगेंगे, दक्षिण में अभी इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गुरुवार को हुई झमाझम बारिश के बाद प्रदेश में मानसून ब्रेक समाप्त हो गया है। दोपहर बाद शुरु हुई तेज बारिश ने लोगों को राहत दी। राजधानी में रात 8.30 बजे तक 3.5 सेमी बारिश दर्ज की गई। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दाब क्षेत्र के कारण प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां फिर बढ़ गई हैं। पूरे प्रदेश में हल्की से मध्यम वर्षा का सिलसिला अभी जारी रहेगा। वर्षा का मुख्य क्षेत्र उत्तर छत्तीसगढ़ रहेगा। मध्य भाग में अपेक्षाकृत कम तथा दक्षिण भाग में सबसे कम बारिश का पूर्वानुमान है। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में मौसमी सब-डिविजनल वर्षा सामान्य से अब भी 31 % कम है।

कहां, कितनी बारिश

शंकरगढ़ व कुसमी में 9 सेमी, चांदो में 8 सेमी, पटना में 6 सेमी, समरी में 5 सेमी, बलरामपुर, दौरा व कोचली में 4 सेमी, बोराई, बिहारपुर, कोटा, रामानुजनगर, मरवाही, चलगली व अंबिकापुर में 3 सेमी, सकरी, भिलाई, रघुनाथ नगर व अहिवारा में 2 सेमी तथा सरिया, देवकर, कुकदुर, चिरमिरी, लोरमी, प्रेमनगर व कसडोल में गुरुवार सुबह 8.30 बजे तक एक-एक सेमी बारिश दर्ज की गई।

गुरुवार को प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री दुर्ग में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री पेण्ड्रा रोड व अम्बिकापुर में दर्ज किया गया। रायपुर का अधिकतम तापमान 32.2 तथा न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहा। रायपुर शहर में शुक्रवार को आकाश सामान्यतः मेघमय रहने तथा रुक-रुककर गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है।

आगे बढ़ेगा निम्नदाब क्षेत्र

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है। इससे जुड़ा चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 7.6 किमी की ऊंचाई तक फैला हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। इसके अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल से होते हुए उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से जुड़ी द्रोणिका समुद्र तल से 5.8 से 7.6 किमी की ऊंचाई पर तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र से होते हुए पूर्वी-मध्य अरब सागर तक बनी हुई है। वहीं समुद्र तल पर मानसूनी द्रोणिका जम्मू, बरेली, बस्ती, डालटनगंज, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर बने सुचिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र के केंद्र से होते हुए उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी की ओर पूर्व- दक्षिण-पूर्व दिशा में गुजर रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई तक फैला है।

खबर संक्षेप

मदद करने का झांसा एटीएम से 19 हजार पार

रायपुर। एटीएम से पैसे निकालने गई महिला के साथ शातिर ठगों ने मदद के बहाने एटीएम कार्ड बदलकर 19 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़िता को घटना की भनक तब लगी, जब घर पहुंचने के बाद परिजनों ने खाते से रुपए निकलने की जानकारी दी। लीलावती यादव की शिकायत पर आरंग पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह एटीएम में पैसे निकालने गई थी। रकम नहीं निकलने पर उसने वहां मौजूद दो लड़कों से मदद मांगी। शातिरों ने महिला की एटीएम बदलकर दूसरा एटीएम थमाकर रकम आहरित कर ली।

चाकू की नोक पर मजदूर से नकदी-मोबाइल लूटा

रायपुर। काम से लौट रहे मजदूर के साथ तीन अज्ञात बदमाशों ने 12 सौ रुपए नकद के साथ मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया है। घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र की है। टाइल्स लगाने का काम करने वाला मूलतः राजस्थान निवासी अमरजीत सिंह ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। मजदूर ने पुलिस को बताया कि वह बुधवार शाम अपने साथी के साथ काम खत्म करने के बाद पैदल अपने घर लौट रहा था। बाइक सवार तीन लड़के स्कार्फ बांधे हुए अमरजीत के करीब पहुंचे और चाकू की नोक पर धमकाते हुए उसके साथ लूट की।

चोरी मामले में दो नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

रायपुर। सूने मकान में पौने आठ लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी चोरी करने वाले तीन चोरों को राजेंद्र नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने दो नाबालिग हैं। अमलीडीह बीएसयूपी कॉलोनी निवासी बिस्वम्बर महानंद की शिकायत पर पुलिस ने शातिर नकबजन पवन मंडल तथा उसके दो अन्य नाबालिग साथियों को गिरफ्तार किया है। पवन के खिलाफ पूर्व में दो दर्जन से ज्यादा चोरी, नकबजनी के अपराध दर्ज है। चोरी की घटना एक माह पूर्व 23 जून की है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हुआ कायाकल्प, पीएम नरेंद्र मोदी आज करेंगे लोकार्पण

पेड़ों को बचाकर सजा दिया सरोना स्टेशन 14 करोड़ हुए खर्च, मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

लिफ्ट, चौड़ा फूट ओवरब्रिज और आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित हुआ स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रायपुर मंडल के सरोना रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूरा हो गया है। लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन को आधुनिक, सुव्यवस्थित और यात्री-केंद्रित स्वरूप दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान रायपुर मंडल के सरोना और बालोद रेलवे स्टेशन भी राष्ट्र को समर्पित किए जाएंगे। कभी सीमित सुविधाओं वाला सरोना स्टेशन अब आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित हो गया है। रेलवे ने स्टेशन का विकास अगले 40 से 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया है। पुनर्विकास के बाद सरोना रायपुर मंडल का पहला छोटा स्टेशन बन गया है, जहां यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट लगाई गई है। स्टेशन पर रायपुर रेलवे स्टेशन से भी चौड़ा फूट ओवरब्रिज बनाया गया है, जिससे भविष्य में यात्रियों की आवाजाही अधिक सुगम होगी। स्टेशन के पुनर्विकास की विशेष बात यह है कि निर्माण कार्य के दौरान 6 से अधिक पुराने पेड़ों को संरक्षित रखा गया। इनमें एक पेड़ प्लेटफॉर्म के बीच स्थित है, जो अब स्टेशन की पहचान बन गया है। स्टेशन परिसर के तीन अन्य बड़े पेड़ों को भी सुरक्षित रखा गया है, जो यात्रियों को प्राकृतिक छांव उपलब्ध करा रहे हैं।

यात्रियों को मिली आधुनिक सुविधाएं

पुनर्विकास के तहत स्टेशन पर 95 वर्गमीटर का नया कॉनकोर्स भवन, लगभग 2000 वर्गमीटर का विकसित सर्कुलेटिंग एरिया, नया फूट ओवरब्रिज, सात प्लेटफॉर्म शेल्टर, 2,800 वर्गमीटर प्लेटफॉर्म सरफेसिंग का उन्नयन, दो लिफ्ट, आधुनिक प्रतीक्षालय, उन्नत शौचालय, द्वितीय प्रवेश द्वार, पर्याप्त पार्किंग, एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली, सीसीटीवी कैमरे तथा कला एवं सांस्कृतिक सज्जा विकसित की गई है। यात्रियों के बैठने की बेहतर व्यवस्था भी की गई है।

गार्डन और पेंटिंग से दिया ‘बेटी बचाओ’ का संदेश

स्टेशन के प्रवेश द्वार से लेकर प्लेटफॉर्म तक का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। प्रवेश के लिए चौड़ी एवं सुव्यवस्थित सड़क तैयार की गई है। मुख्य द्वार पर आकर्षक गार्डन विकसित किया गया है। टिकट काउंटर पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई है, जिससे यात्रियों को ट्रेनों की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा 24 घंटे ठंडे पेयजल की व्यवस्था, प्लेटफॉर्म पर शेड तथा दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी के माध्यम से ‘बेटी बचाओ’ का संदेश भी दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के 32 स्टेशनों का हो रहा कायाकल्प

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों का चयन किया गया है। इन स्टेशनों के पुनर्विकास पर लगभग 1680 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इनमें से डोंगरगढ़, भानुप्रतापपुर, भिलाई, उरकुरा और अंबिकापुर रेलवे स्टेशन का लोकार्पण पहले ही हो चुका है। वर्तमान में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, रायगढ़, कोरबा, जगदलपुर, भाटापारा, तिल्दा-नेवरा, बिल्हा, दल्ली राजहरा, हथबंध, मरोदा, मंदिर हसौद, निपानिया, चांपा, नैला-जांजगीर, अकलतरा, बाराद्वार, उसलापुर, पेंड्रारोड, बैकुंठपुर रोड और महासमुंद सहित अन्य स्टेशनों पर विकास कार्य जारी हैं।

अनुबंध के साथ जल्द होगा वर्कआर्डर

जयस्तंभ मल्टीलेवल पार्किंग का दुर्ग की एजेंसी को ठेका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम के बाजार विभाग ने पूर्व में शहर के चार स्थानों पर पार्किंग के लिए ई टेंडर किया, जिसमें से तीन स्थानों पर दो-दो निविदाकार के निविदा भरने के कारण रीटेंडर की स्थिति बनी है। वहीं जयस्तंभ चौक के पास स्थित नगर निगम की मल्टीलेवल पार्किंग के लिए किए गए ई टेंडर में 4 एजेंसियों ने दिलचस्पी लेते हुए निविदा में भाग लिया। इसमें से दुर्ग की एजेंसी को 26 लाख 27 हजार में इस कार्य के लिए एक साल तक पार्किंग संचालन का ठेका मिला है। सूत्रों के मुताबिक संबंधित एजेंसी के साथ अनुबंध कर इस कार्य के लिए जल्द वर्कआर्डर जारी किया जाएगा।

■ एक साल में 26 लाख 27 हजार रुपए की होगी निगम को कमाई

नगर निगम ने पहली बार पार्किंग का ठेका देने जेम पोर्टल पर ई निविदा के माध्यम से निविदा मंगाई। इससे पहले निविदाकारों से बंद लिफाफे में रेट कोड कर निविद मंगाई जाती रही। निविदा प्रक्रिया के तहत जयस्तंभ चौक मल्टीलेवल पार्किंग, सिंधी बाजार एमजी रोड पार्किंग, गांधी मैदान और जवाहर बाजार पार्किंग के लिए ई निविदा जारी की गई। पार्किंग स्थल संचालन के लिए एक वर्ष की समय अवधि के लिए जेम पोर्टल से निविदाएं मंगाई गई, जिसमें नियम व शर्तों के तहत पार्किंग संचालन के लिए एजेंसी तय होगी।

रेलवे भर्ती परीक्षा में मोबाइल लेकर परीक्षा देने पहुंचा परीक्षार्थी पकड़ा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे भर्ती बोर्ड की ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा में हाईटेक तरीके से नकल करने की कोशिश करते हुए पुलिस ने महाराष्ट्र के एक परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने मोबाइल फोन, आधार कार्ड तथा परीक्षा प्रवेश पत्र जब्ती किया है। छात्र मोबाइल को अपने अंडर गार्मेंट में छिपाकर परीक्षा हाल पहुंचा था। डीडीनगर थाना क्षेत्र के सरोना स्थित आईडीजेड में बुधवार को परीक्षा आयोजित की गई थी। ऑनलाइन चीटिंग करने के आरोप में पुलिस ने ⏭ शेष पेज 11 पर

मोबाइल ले जाने डबल अंडर गार्मेंट का इस्तेमाल

पूछताछ में अफताब ने पुलिस को बताया कि उसने मोबाइल ले जाने के लिए डबल अंडर गार्मेंट पहना था। दोनों अंडर गार्मेंट के बीच आरोपी छात्र मोबाइल फंसाकर परीक्षा हाल ले गया था। परीक्षार्थी अपने मंसूबे में कामयाब हो पाता, इसके पहले धरा गया। परीक्षा केंद्र में जैमर लगा होने की वजह से प्रश्न पत्र को परीक्षार्थी जिसे भेजना चाहता था, उसे नहीं भेज पाया।

ऐसे कंडक्ट की जाती है रेलवे परीक्षा

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की ऑनलाइन परीक्षा, जिसे सीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) कहा जाता है, एक डिजिटल प्रक्रिया है। इसमें उम्मीदवारों को पेन-पेपर के बजाय परीक्षा केंद्रों पर कंम्प्यूटर स्क्रीन पर प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। वस्तुनिष्ठ, बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए स्क्रीन पर चार विकल्प होते हैं, जिन्हें माउस की मदद से चुनना होता है। परीक्षा के दौरान स्क्रीन पर एक डिजिटल घड़ी (टाइमर) चलती रहती है, और समय समाप्त होते ही उत्तर-पुस्तिका अपने आप लॉक हो जाती है।

माइक्रोस्कोपिक सर्जरी के जरिए किया गया जटिल ऑपरेशन

एक साल से कान में फंसा रहा लोहे का छर्रा, ऊतक से बनाई नई हड्डी व पर्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

9 साल की एक बच्ची को बहरा होने से बचाने के लिए चिकित्सकों की टीम को नया पर्दा और हड्डी बनानी पड़ी। मामला डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल का है। यह जटिल प्रक्रिया कई माह तक जारी रही। चिकित्सकों की टीम ने विगत लगभग एक वर्ष से बच्ची के बाएं कान में फंसे लोहे के छर्रे को सुरक्षित बाहर निकालने के साथ-साथ क्षतिग्रस्त हो चुके कान के पर्दे और सुनने वाली हड्डियों का सफल पुनर्निर्माण ⏭ शेष पेज 11 पर

■ 9 वर्षीय बच्ची ने खेल-खेल में कान में डाल लिया था लोहे का छर्रा

अंदर तक पहुंच चुका था छर्रा

डॉ. दुर्गेश गजेंद्र के अनुसार, बच्ची ने लगभग एक वर्ष पूर्व खेल-खेल में लोहे का छर्रा अपने कान में डाल लिया था। लंबे समय तक कान में फंसे रहने के कारण छर्रा मध्य कान (मिडिल इयर) तक पहुंच गया था और उसके दबाव से कान का पर्दा तथा सुनने वाली सूक्ष्म हड्डियां गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थीं। माइक्रोस्कोपिक तकनीक की सहायता से अत्यंत सावधानीपूर्वक सर्जरी कर छर्रे को बाहर निकाला गया। इसके बाद बच्ची के स्वयं के ऊतकों का उपयोग कर कान का नया पर्दा और सुनने वाली हड्डी का निर्माण किया गया।

तुरंत अस्पताल पहुंचे अभिभावक

अस्पताल के अधीक्षक डॉ.संतोष सोनकर ने कहा, एक वर्ष से कान में फंसे लोहे के छर्रे को निकालने के साथ ही क्षतिग्रस्त कान के पर्दे और सुनने वाली हड्डियों का पुनर्निर्माण करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था। हमारी ईएनटी टीम ने न केवल बच्ची की सुनने की क्षमता को सुरक्षित रखा, बल्कि उसे भविष्य में सामान्य जीवन जीने का अवसर भी दिया। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि अम्बेडकर अस्पताल में जटिल से जटिल ईएनटी सर्जरी उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध है।

कई सब्जियों की कीमत में भी लगी आग

थोक में धनिया-अदरक 200, चिल्हर में ऐसी लूट, दाम तीन सौ से ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सब्जियों में चिल्हर में जमकर लूटी मची हुई है। थोक में धनिया और अदरक के दाम दो सौ रुपए के करीब है, लेकिन चिल्हर में इसके दाम तीन सौ रुपए से भी ज्यादा है। चिल्हर में इसको 70 से 80 रुपए पाव के हिसाब से बेचा जा रहा है। दूसरी सब्जियों के दाम भी चिल्हर में मनमाने लिए जा रहे हैं। वैसे थोक में भी कई सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। टमाटर के दाम जरूर अब भी कम हैं, लेकिन थोक में इसके दाम 15 रुपए और चिल्हर में 30 रुपए हैं।

बारिश के कारण कई सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। इसी के साथ चिल्हर में ⏭ शेष पेज 11 पर

कुछ सब्जियां महंगी, कुछ सस्ती

कई नई सब्जियों के दाम इस समय ज्यादा है। कई सब्जियों के दाम कम भी हैं। जहां तक चिल्हर का सवाल है तो इसके दाम अलग-अलग मंडी में अलग-अलग लिया जाते हैं। टमाटर के दाम थोक में इस समय 15 रुपए किलो है।

- टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक सब्जी मंडी

ये सब्जियां महंगी

इस समय कई सब्जियां महंगी हो गई हैं। खेक्सी की बारिश के मौसम में अच्छी डिमांड रहती है। थोक में इसके दाम 200 से 250 रुपए है, जबकि चिल्हर में यह सौ रुपए पाव के हिसाब से चार सौ रुपए किलो बिक रही है। सेमी की भी नई फसल आई है। इसके दाम थोक में 100 से 120 और चिल्हर में दो सौ रुपए किलो हैं। फ्रेंच बीन्स के दाम थोक में 180 रुपए और चिल्हर में 70 रुपए पाव के हिसाब से 280 रुपए हैं। भाजियों के दाम भी आसमान पर हैं। लाल भाजी बहुत कम मिल रही है। थोक में इसके दाम 80 से 100 रुपए और चिल्हर में यह 50 रुपए पाव है। पालक भाजी के दाम थोक में 60 से 80 रुपए और चिल्हर में इसके दाम 40 रुपए पाव हो गए हैं। भिंडी के दाम थोक में 60 से 80 और चिल्हर में 120 रुपए किलो है। हरी मिर्च थोक में 50 रुपए और चिल्हर में 100 रुपए किलो है

कुछ सब्जियां सस्ती

इस समय सस्ती सब्जियों में कद्दू थोक में 6 से 8 रुपए और चिल्हर में 20 रुपए किलो है। करेला थोक में 30 से 40 और चिल्हर में 40 से 50 रुपए, कुदरू थोक में 30 से 35 और चिल्हर में 50 से 60 रुपए, कोचाई थोक में 30 से 35 और चिल्हर में 50 से 60 रुपए, फूल गोभी थोक में 40 रुपए और चिल्हर में 50 से 60 रुपए, पत्ता गोभी थोक में 12 से 14 रुपए रुपए और चिल्हर में 25 से 30 रुपए, लौकी थोक में 12 से 15 रुपए और चिल्हर में 30 रुपए किलो बिक रही है।

फर्जी ग्रामसभा के प्रस्तावों पर प्लांट की अनुमति, जांच के बाद एफआईआर

- भूपेश के सवालों पर घिरे ओपी, असंतुष्ट विपक्ष का वॉकआउट
- तिल्दा में बालाजी स्पंज आयरन और अग्रसेन स्टील प्लांट एवं पॉवर को मिली थी अनुमति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि फर्जी ग्रामसभा के प्रस्तावों के आधार पर ग्राम अल्दा में 'बालाजी स्पंज एवं आयरन लिमिटेड' तथा ग्राम देवरी-घुलघुल में 'अग्रसेन स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड' को प्लांट लगाने की अनुमति दे दी गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में थाने में दोषी सरपंच, पंचायत सचिव एवं प्लांट मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की जगह अज्ञात नाम से एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने मामले में वित्त एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के सामने कई सवाल खड़े किए। मंत्री के जवाबों से असंतुष्ट सारे कांग्रेस विधायक ने सदन से वॉकआउट किया। प्रश्नकाल में भूपेश बघेल का सवाल था कि जनपद पंचायत तिल्दा के ग्राम अल्दा में बालाजी स्पंज एवं आयरन लिमिटेड तथा ग्राम देवरी-घुलघुल में अग्रसेन स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना, विस्तार, पर्यावरण एनओसी या भूमि आबंटन/डायवर्सन हेतु ग्रामसभा प्रस्ताव शासन को मिले? यदि हां, तो कम्पनियों के पक्ष में किस कार्य के लिए किस तिथि को प्रस्ताव प्राप्त हुए? क्या ग्राम अलदा की ग्रामसभा प्रस्ताव में जालसाजी की शिकायत पर सीईओ जनपद पंचायत तिल्दा तथा तहसीलदार की संयुक्त समिति ने जांच की? यदि हाँ, तो जांच प्रतिवेदन के आधार पर कम्पनियों के प्रबंधकों, संलिप्त अधिकारियों व दोषियों के विरुद्ध एफआईआर क्यों दर्ज नहीं कराई गई? सरकार कूटरचित प्रस्तावों के आधार पर जारी समस्त स्वीकृतियां निरस्त कर दोषियों के विरुद्ध कब तक ठोस कार्रवाई करेगी? वित्त मंत्री ओपी चौधरी की ओर से जवाब आया कि मेसर्स बालाजी स्पंज एण्ड आयरन लिमिटेड ग्राम अल्दा, एवं मेसर्स अग्रसेन स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड ग्राम-देवरी-घुलघुल द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में जल अधिनियम एवं वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम के तहत सम्मति प्राप्त करने आवेदन नहीं किया गया। ग्रामसभा का कोई भी प्रस्ताव छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को प्राप्त नहीं हुआ है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार जनपद पंचायत तिल्दा के ग्राम अल्दा की ग्राम सभा प्रस्ताव में जालसाजी की शिकायत के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत तिल्दा तथा तत्कालीन नायब तहसीलदार व तत्कालीन तहसीलदार तिल्दा नेवरा की तीन सदस्यीय संयुक्त समिति ने 6 जून 2025 को जांच की। उक्त जांच प्रतिवेदन 30 जून को कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तिल्दा नेवरा को प्रेषित किया गया। जांच प्रतिवेदन अनुसार ग्रामसभा में अनापत्ति प्रस्ताव पास नहीं किये जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये जाने तथा कार्यवाही पंजी में अंतिम दो लाइन किसके द्वारा लिखी गई है, इसकी जानकारी किसी को नहीं होने का उल्लेख है।

मंत्री ने माना- गलत ढंग से ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पारित हुआ

भूपेश ने पूछा कि जमीन का मामला है। राजस्व, पंचायत, उद्योग होते हुए अंतिम बात आपके पर्यावरण विभाग पर आती है। इसीलिए प्रश्न पर्यावरण मंत्री से है। आपके जवाब में कार्यवाही पंजी में अंतिम दो लाईन किसके व्दारा लिखी गई है, इसकी जानकारी किसी को नहीं होने का उल्लेख है। वास्तविकता यह है कि शिकायत ग्रामीणों की तरफ से हुई थी। मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, जैसा कि स्पष्ट है बहुत से विभागों की भूमिका है। पर्यावरण विभाग का दो स्टेज में इन्वालमेंट है। यह स्पष्ट हो चुका है कि कंपनी की तरफ से कोई आवेदन नहीं लगा था। ग्राम पंचायत व्दारा कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया था। पंचायत विभाग से जानकारी मांगी गई तो ज्ञात हुआ, गलत तरीके से ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पारित हुआ।

सरपंच, सचिव के अलावा दोषियों पर होगी कार्रवाई

भूपेश ने कहा, 6 जून 2025 को जांच हुई। 22 जून 2026 को एफआईआर हुई। यानी एफआईआर में एक साल का समय लग गया। एफआईआर भी अज्ञात के नाम से हुई पुलिस विवेचना कर रही है। पंचायत का पंजीयन रजिस्टर सचिव के पास रहता है। सरपंच की देखरेख में। आप सरपंच व सचिव को क्यों बचा रहे हैं? फिर जिसे प्लांट लगाने की अनुमति मिली वही तो लाभार्थी है। मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, पुलिस विवेचना कर रही है। सरपंच हो या सचिव या फिर कोई तीसरा व्यक्ति दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

अजय ने सेवाग्राम, बोर्डिंग स्कूल और टेनिस अकादमी पर उठाए सवाल

कहा- सारे काम स्वेच्छाचारिता के लिए हुए

विधानसभा में नवा रायपुर में करोड़ों की लागत से निर्माणाधीन सेवाग्राम पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने सवाल खड़े किए। उन्होंने नवा रायपुर में करोड़ों की लागत से बन रहे बोर्डिंग स्कूल व अंतर्राष्ट्रीय टेनिस अकादमी पर भी प्रश्न चिह्न लगाया। चर्चा के दौरान अजय चंद्राकर व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच तीखी नोक-झोंक भी हुई। प्रश्नकाल में अजय चंद्राकर ने पूछा, नवा रायपुर विकास प्राधिकरण अंतर्गत नवा रायपुर में सेवाग्राम बनाने का निर्णय कब लिया गया? उसके उद्देश्य क्या हैं? उसके अंतर्गत क्या-क्या कार्य किया जाना है? कितनी राशि का बजट प्रावधान रखा गया है? कितनी राशि किन-किन कार्यों के लिए व्यय की जा चुकी है? आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी की तरफ से जवाब आया कि नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण अंतर्गत नवा रायपुर में सेवाग्राम बनाने का निर्णय 10 मार्च 2022 को लिया गया। प्रस्तावित सेवा ग्राम का उद्देश्य आजादी की लड़ाई के मूल्यों, सिद्धान्तों व आदर्शों तथा महात्मा गांधी की आत्मनिर्भर राम राज्य की संकल्पना को अक्षुण्य रखने, भावी पीढ़ी को उन मूल्यों की जानकारी देने तथा संस्थान में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं आत्मनिर्भर ग्राम की कल्पना को साकार करने के लिए कारीगरों को प्रशिक्षित करना है। इसके अंतर्गत बायोडायवर्सिटी पार्क, इकोलॉजिकल पॉण्ड, विजिटर सेन्टर प्रेयर हॉल, म्यूजियम, एक्जीबिशन हॉल, लायब्रेरी, स्थानीय क्राफ्ट की दुकानें, एम्फीथियेटर, सेवाश्रम-रिहायशी क्षेत्र यथा प्रशिक्षु निवास, आर्टिस्ट निवास, कॉमन किचन एवं चिकित्सालय, क्लास रूम एवं वर्कशाप, फ्रीडम वॉक एवं राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया जैसे कार्य किया जाना है। उक्त कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में 208 करोड़, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 60 करोड़, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 61 करोड़ का बजट प्रावधान रखा गया। मल्टीपरपज डाइनिंग हॉल, सामुदायिक किचन एवं प्रसाधन कक्ष के निर्माण में 3 करोड़ 72 लाख का व्यय हुआ है। बायोडायवर्सिटी पार्क, इकोलॉजिकल पॉण्ड, विजिटर सेन्टर प्रेयर हॉल, गैलरी, म्यूजियम, एक्जीबिशन -हॉल/लायब्रेरी, स्थानीय क्राफ्ट की दुकानें, एम्फीथियेटर, सेवाश्रम-रिहायशी क्षेत्र यथा प्रशिक्षु के निवास, आर्टिस्ट के निवास, चिकित्सालय, क्लास रूम एवं वर्कशाप, फ्रीडम वॉक इत्यादि के निर्माण कार्य में 104 करोड़ 5 लाख रुपए का व्यय हुआ है। समस्त निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं। सेवा ग्राम के संचालन हेतु सेटअप स्वीकृत नहीं किया गया है।

- स्वेच्छाचारिता के आरोप पर भड़के भूपेश, हुई तीखी नोकझोंक
- वित्त मंत्री ने कहा, यह सब पिछली सरकार के समय का प्रोजेक्ट

पिछली सरकार का प्रोजेक्ट : अजय चंद्राकर ने कहा, पिछली सरकार के समय में लोक धन का कैसा दुरुपयोग हुआ, 700 की क्षमता वाला इंटरनेशनल बोर्डिंग स्कूल, इंटरनेशनल टेनिस अकादमी तथा सेवा ग्राम इसके उदाहरण हैं। टेनिस अकादमी में साढ़े तीन करोड़ खर्च कर दिए गए। राम राज्य की संकल्पना बताते हुए सेवा ग्राम पर 104 करोड़ फूंक दिया गया। वित्त मंत्री ने कहा, यह पिछली सरकार का प्रोजेक्ट है।

भूपेश-अजय में नोकझोंक

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, यहां कैसे स्वेच्छाचारिता की बात आ रही है। चंद्राकर ने कहा कि आप कैसे स्पष्टीकरण दे रहे हैं। बघेल ने कहा, विधानसभा अध्यक्ष से अनुमति लेकर बोल रहा हूं। आपका ज्यादा ज्ञान दिक्कत पैदा कर देता है। चंद्राकर ने तेज आवाज में कहा, आपके किए का पूरा प्रदेश भुगत रहा है। स्पष्टीकरण क्यों दे रहे हैं। आप बार-बार क्यों खड़े हो जाते हैं। चंद्राकर की इस बात का बघेल ने भी तेज आवाज में जवाब दिया। दोनों के बीच कुछ देर जबरदस्त नोक-झोंक हुई।

प्लास्टिक पर अशासकीय संकल्प सहमति के बाद लिया वापस, सत्तापक्ष-विपक्ष हुए एक

प्लास्टिक न केवल प्रदेश के लिए, बल्कि देश-दुनिया के लिए भी बड़ी समस्या है। यह न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि जानवरों के साथ इंसानों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। शोध बताते हैं कि माइक्रो प्लास्टिक हमारे दिमाग तक प्रवेश कर चुका है। प्लास्टिक से होने वाले गंभीर नुकसान को देखते हुए भाजपा विधायक अजय चंद्राकर विधानसभा में अशासकीय संकल्प लेकर आए थे। विषय पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष ने इसकी गंभीरता को लेकर एकमत से इसके निपटान के साथ कड़ी कार्रवाई को लेकर समर्थन जताया। पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, प्लास्टिक पर कड़े प्रतिबंध लगाने अशासकीय संकल्प लाया गया। उसे मेरे वक्तव्य और आग्रह के बाद अजय चंद्राकर ने वापस ले लिया है। यह सच है कि छत्तीसगढ़ में प्लास्टिक वर्तमान में एक बड़ी समस्या है। और यह पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक है। मंत्री ने कहा, इस पर कैसे रोक लगाई जा सकती है। प्लास्टिक कचरे का बेहतर निपटान कैसे हो सकता है। विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कैसे हो सकता है। समाज में जागरूकता कैसे आ सकती है, इस पर गम्भीरता काम किया जा रहा है और आगे इस कड़ी कार्रवाई के साथ काम होगा।

सामाजिक आंदोलन बने, सरकार इसमें भूमिका निभाए- पटेल

कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा, शराब प्लास्टिक में दिया जा रहा है यह अत्यंत गलत है। कचरे के ढेर ढहने से 7 लोगों की मौत हो गई। प्लास्टिक से बड़ा नुकसान हो रहा है, इससे जल, जमीन सब दूषित हो रही है। छत्तीसगढ़ में 140 टन उपयोग होता है। प्रतिदिन 40 टन प्लास्टिक कचरा का निपटान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, प्लास्टिक के बारे में लीडर क्यों नहीं हो सकते हैं।

नए कानून के तहत छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत | देश का पहला ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम पारित

छत्तीसगढ़ में उद्योग और कारोबार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने आज 'छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026' पारित कर दिया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए जोखिम आधारित एवं विश्वास आधारित बिजनेस परमिशन सिस्टम लागू होगा।

अधिनियम का उद्देश्य उद्योगों एवं कारोबार की स्थापना और संचालन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनावश्यक अनुपालनों को कम करना तथा विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अधिक पारदर्शी, तेज और उद्यम-अनुकूल व्यावसायिक वातावरण तैयार करना है। अधिनियम के तहत उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण उनके आकार और गतिविधियों की प्रकृति के आधार पर विभिन्न जोखिम श्रेणियों में किया जाएगा। कम जोखिम वाले छोटे कारोबारों को सरल एवं त्वरित मंजूरी मिलेगी, जबकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं के लिए आवश्यक तकनीकी परीक्षण और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था पूर्ववत जारी रहेगी। इससे छोटे कारोबारियों को बड़े उद्योगों जैसी जटिल प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा।

मिलेगी यह सुविधा

नई व्यवस्था के अंतर्गत कम जोखिम वाले उद्यमों में बार-बार होने वाले विभागीय निरीक्षणों के स्थान पर सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा लाइसेंसधारी अभियंता, आर्किटेक्ट या अन्य अधिकृत पेशेवरों द्वारा प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे अनुमतियों की प्रक्रिया तेज, सरल और अधिक जवाबदेह बनेगी। अधिनियम के तहत हर वर्ष लाइसेंस या अनुमति के नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त कर जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली लागू की जाएगी। इससे उद्यमियों को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत मिलेगी और वे अपने कारोबार के विस्तार एवं संचालन पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

पात्र मामलों में अनुमति स्वतः

एमएसएमई इकाइयों के लिए जल प्रदाय संबंधी अनुमति स्व-घोषणा के आधार पर, सोसायटी अथवा फर्म का पंजीयन समयबद्ध प्रक्रिया से तथा भवन अनुज्ञा सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा अधिकृत विशेषज्ञ के प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रदान की जा सकेगी। निर्धारित समय-सीमा में संबंधित विभाग द्वारा निर्णय नहीं लेने की स्थिति में पात्र मामलों में अनुमति स्वतः स्वीकृत (ऑटो अप्रूवल) मानी जाएगी। हालांकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं में तकनीकी परीक्षण एवं भौतिक निरीक्षण की व्यवस्था यथावत लागू रहेगी।

पीएम मातृत्व वंदन योजना पर फर्जी आहरण का ग्रहण, दंतेवाड़ा-बस्तर में 1400 के खाते का पैसा खा गए

विधानसभा में कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और घोटाला करने के आरोप लगाए। उनका कहना है कि दंतेवाड़ा समेत पूरे बस्तर में पीएम मातृत्व वंदन योजना के तहत 1400 महिलाओं के खातों से 61 लाख 37 हजार रुपए का आहरण हुआ है। ये पैसा केंद्र का है, जिसे स्थानीय स्तर पर अफसरों ने मिली भगत कर बंदर बांट किया है। घोटाला उजागर होने के बाद भी सरकार ने इस पर किसी तरह का संज्ञान नहीं लिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इसे साइबर क्राइम के तहत धोखाधड़ी का मामला बताया। कांग्रेस सदस्यों ने मंत्री के जवाब से सदन से वॉकआउट कर दिया। धानाकर्षण सूचना के माध्यम से यह मामला कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने उठाया। उन्होंने कहा, महिला एवं बाल विकास विभाग में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। चाहे महतारी वंदन योजना हो, चाहे सुपोषण योजना हो या फिर विभाग से जुड़ी हुई कोई भी योजना। बस्तर क्षेत्र में हजारों महिलाओं के खातों से गलत तरीके से पैसे निकाले जा रहे हैं, लेकिन महिलाओं की शिकायत करने के बाद भी उनकी बातों को नहीं सुना जा रहा है। सरकार से मांग करते हैं कि महिला एवं बाल विकास के जिन अधिकारियों ने महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की है,उन पर जांच के बाद उचित कार्रवाई हो।

- महिला एवं बाल विकास विभाग के अफसरों पर कांग्रेस का गंभीर आरोप

साइबर क्राइम को सौंपा गया मामला

विभागीय मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, पोर्टल को हैक किया गया है, उसके माध्यम से राशि का आहरण किया गया है। उन्होंने कहा तीन स्तर पर इसके आवेदन भरने की प्रक्रिया होती है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पीएम मातृत्व योजना के माध्यम से आवेदन सबमिट करती हैं, इसके बाद सुपरवाइजर के द्वारा वेरीफाई किया जाता है। फिर सीडीपीओ अप्रुवल करता है फिर राज्य को अप्रुअल के लिए जाता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का ओटीपी नहीं आया। सिस्टम यहीं से हैक कर लिया गया। केंद्र सरकार को भी इससे अवगत कराया गया है। कलेक्टर ने इसके जांच के लिए समिति गठित की। सीडीपीओं के द्वारा मामले में एफआईआर दर्ज कराया गया है।अज्ञात व्यक्तियों के खाते में पैसा गया है, इसे साइबर क्राइम को सौंप दिया गया है।

बालार्जुन ताम्रपत्र की भाषा पर घिरे मंत्री, बोले- गलत जवाब देने वाले अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान ज्ञान भारतम अभियान के तहत प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक ताम्रपत्रों के सत्यापन का मुद्दा उठा। कांग्रेस विधायक राघवेंद्र सिंह ने मल्हार से प्राप्त ऐतिहासिक बालार्जुन की ताम्रपट्टिकाओं को लेकर प्रश्नकाल में सवाल उठाया। विधायक राघवेंद्र सिंह ने सदन में कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में देश को यह बताया था कि यह ऐतिहासिक ताम्रपत्र ब्राह्मी और पाली भाषा में लिखा गया है, जबकि आज सदन में विभागीय मंत्री कह रहे हैं कि यह ब्राह्मी और संस्कृत भाषा में लिखा गया है। प्रधानमंत्री जब देश के सामने कुछ कहते हैं, तो पूरा देश उसे सही मानकर उस पर अटूट भरोसा करता है, लेकिन मंत्री का यह जवाब देश और सदन को पूरी तरह गुमराह करने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के अधिकारी गलत तथ्य पेश कर मंत्री से गलत जवाब दिलवा रहे हैं। राघवेंद्र सिंह ने सवाल किया कि सदन को गुमराह करने वाले अधिकारियों के खिलाफ क्या तत्काल कार्रवाई की जाएगी?

- पीएम के मन की बात का हवाला देकर कांग्रेस विधायक राघवेंद्र ने संस्कृति मंत्री को घेरा

मंत्री बोले- दोषी अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

कांग्रेस विधायक राघवेंद्र सिंह के सवाल पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल बैकफुट पर नजर आए। उन्होंने विपक्ष के आरोप की गंभीरता को देखते हुए सदन को आश्वस्त करते हुए कहा, इस पूरे मामले में जो भी जिम्मेदार अधिकारी हैं, जिन्होंने यह विसंगतिपूर्ण जानकारी तैयार की है, हम उनके खिलाफ निश्चित रूप से जांच कर कड़ी कार्रवाई करेंगे।

ये है मामला

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने राघवेंद्र सिंह के सवाल के जवाब में बताया कि ज्ञान भारतम अभियान के तहत छत्तीसगढ़ से मोबाइल ऐप के जरिए कुल 1,24,422 पांडुलिपियों को पंजीकृत किया गया था। इनमें से 12,040 पांडुलिपियां ज्ञानभारतम केंद्र नई दिल्ली द्वारा सत्यापित की जा चुकी हैं, जबकि 1,12,382 पांडुलिपियां तकनीकी या अन्य कारणों से अस्वीकृत कर दी गई हैं। विवाद की मुख्य वजह बिलासपुर जिले के मस्तूरी क्षेत्र के ऐतिहासिक स्थल मल्हार से प्राप्त प्रसिद्ध बालार्जुन ताम्रपट्टिका बनी। मंत्री ने अपने जवाब में बताया कि इसकी खोज वर्ष 1987 में हुई थी, इसकी लिपि पेटिकाशीर्ष ब्राह्मी और भाषा संस्कृत है। वर्तमान में यह ऐतिहासिक अभिलेख मल्हार निवासी संजीव पाण्डेय के आधिपत्य में सुरक्षित है। इसी भाषा और लिपि के रिकॉर्ड पर कांग्रेस विधायक ने प्रधानमंत्री के वक्तव्य का हवाला देकर अधिकारियों को कटघरे में खड़ा कर दिया।

नकटी में महिलाओं के स्नान स्थल पर कैमरे लगाना शर्मनाक : कांग्रेस

- भाजपा सरकार गरीबों और महिलाओं की गरिमा कुचल रही है : बंजारे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने नकटी गांव में गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने के बाद तालाब के आसपास कैमरे लगाकर निगरानी किए जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, यदि महिलाओं के स्नान स्थल या उनकी निजता प्रभावित होने वाले स्थान पर इस प्रकार कैमरे लगाए गए हैं, तो यह महिलाओं के सम्मान और गरिमा के साथ गंभीर खिलवाड़ है। इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है।

उन्होंने कहा, भाजपा सरकार ने पहले 85 गरीब परिवारों के सिर से छत छीनी, फिर उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने के लिए मजबूर किया और अब महिलाओं की निजता तक सुरक्षित नहीं रहने दी जा रही है। यह संवेदनहीन, अमानवीय और शर्मनाक प्रशासनिक रवैया है। उन्होंने धरसीवा विधायक अनुज शर्मा और लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल से सीधे सवाल करते हुए कहा, क्या अपने ही क्षेत्र में हो रही ऐसी घटनाओं की उन्हें कोई जानकारी नहीं है? क्या प्रशासन उनकी जानकारी के बिना इतना बड़ा कदम उठा सकता है? यदि जानकारी नहीं है तो यह उनकी जनप्रतिनिधि के रूप में गंभीर विफलता है, और यदि जानकारी होने के बावजूद वे मौन हैं, तो उनकी यह चुप्पी महिलाओं की गरिमा और गरीब परिवारों के सम्मान के प्रति उनकी उदासीनता को दर्शाती है।

जयंत बने एसपी सीएम सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा पद पर जयंत वैष्णव की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक ने आदेश जारी कर दिया है। बताया गया है कि इससे पूर्व पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा के पद पर हरीश राठौर पदस्थ थे, उनका तबादला कोरिया जिले में एसपी के रूप में किया गया है। उनके तबादले के बाद रिक्त पद पर जयंत वैष्णव की नियुक्ति हुई है। इससे पहले वे पुलिस अधीक्षक सुरक्षा विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय में पदस्थ थे।

जितेंद्र भाजयुमो के रायपुर संभाग प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की सहमति से संभागों के प्रभारियों और सहप्रभारियों के साथ ही जिलों के प्रभारी और सहप्रभारियों का ऐलान किया है। रायपुर संभाग का प्रभारी जितेंद्र देवांगन को बनाया गया है। इसी के साथ रायपुर शहर का प्रभारी मोरध्वज पैकरा और सहप्रभारी मिलिंद चंद्राकर को बनाया गया है। रायपुर ग्रामीण का जिम्मा वासु शर्मा और हर्ष साहू को दिया गया है। अन्य संभागों में दुर्ग का प्रभारी कुणाल ठाकुर को बनाया गया है। बस्तर संभाग का प्रभारी पीयूष सिंह ठाकुर और सहप्रभारी विशाल पांडे, सरगुजा संभाग का शुभम जायसवाल और सहप्रभारी लोकेश साहू, बिलासपुर संभाग का प्रभारी भीमा मड़कम और सहप्रभारी आकाश सिंह ठाकुर को बनाया गया है। इसी तरह से भाजपा के 36 संगठन जिलों के लिए प्रभारी और सहप्रभारी नियुक्ति किए गए हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //

क्रमांक / / / 2025-2026
ग्राम गोगाँव, प.ह.नं. 50,
तहसील व जिला रायपुर,
रायपुर, दिनांक 15/07/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामजी साहू पिता स्व. बुधराम साहू एवं अन्य 03 निवासी सूर्यानगर गोगाँव तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम गोगाँव, प.ह.नं. 50 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 341, 342, 343 रकबा क्रमशः 0.0240 हे., 0.0200 हे., 0.0200 हे0, भूमि आवेदकगण के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि का नक्शा त्रुटिपूर्ण होने से कब्जा अनुसार नक्शा सुधार हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जो कि जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 24/07/2026 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर, (छ.ग.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, D. D. Kumar/ DIWAKER DINESH KUMAR S/O DINESHWER PRASAD SINHA, resident of Krishna Paradisc, Sarona, Raipur (C.G.), have changed my old name D.D. KUMAR / DIWAKER DINESH KUMAR S/O DINESHWER PRASAD SINHA. Henceforth, I shall be known and recognized by my new name DIWAKER SINHA S/O DINESHWER PRASAD SINHA in all Government, Semi-Government, Private and other official records/ documents.

DIWAKER SINHA
Krishna Paradise, Sarona, Raipur (C.G.)

आम सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार- श्रीमती सुषमा यादव पति- श्री ठाकुर यादव निवासी- पुरन दाल मिल गली, रामसागरपारा रायपुर छ.ग. ने विक्रेता- श्रीमती प्रीति दुल्हानी पति- लखमीचंद दुल्हानी उर्फ लक्ष्मीचंद दुल्हानी, निवासी- मोती बाग चौक, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. से उसकी भूमि स्वामी हक स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित भूमि वाके मौजा- कोटा- 3, प.ह.नं.- 51, रा.नि.मं.- रायपुर- 3 कोटा, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नम्बर- 128/6 रकबा 646 वर्गफुट भूमि स्थित है, उक्त भूमि को मेरे पक्षकार द्वारा क्रय करने बाबत पक्का सौदा कर इकरारनामा का निष्पादित कर अग्रिम बयाना राशि अदा कर दिया गया है। उक्त संपत्ति का बैनामा पंजीयन किया जाना शेष है।

अतः एतद द्वारा सर्वसाधारण जनता, व्यक्ति, विक्रेता के वारिसानों, संस्था, निकाय, निगम सरकारी, गैर सरकारी संस्था, बैंक, वित्तीय संस्थाएँ इत्यादि को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त सौदे में उन्हें कोई उजर आपत्ति या दावा हो तो इस आम सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर में मेरे नीचे लिखे पते में दस्तावेज सहित आपत्ति दावा प्रस्तुत करें। समयावधि व्यतीत होने के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन अपने पक्ष में करवा लेगें एवं बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति अवैध एवं शून्य मानी जावेगी जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

अतः सूचना जानें।
दिनांक- 16/07/2026, स्थान – रायपुर
भवदीय
तेजपाल सिंह अधिवक्ता,
सिविल कोर्ट रायपुर
मो.- 819691716622

तहसीलदार ,मंदिर हसौद
मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भः- जिला- रायपुर तहसील-मंदिर हसौद प.ह.न.- 00002 मूनगी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-RD202526440200300017

// ईश्तहार //

तहसील मंदिर हसौद के प.ह.न. 00002 के अंतर्गत ग्राम मूनगी के वर्तमान भूमिस्वामी संतोष पाण्डेय पिता/पति-आर. एम. पाण्डेय पता-समता कॉलोनी रायपुर , मखमूर इकबाल खान पिता/पति-सत्तार खान पता-न्यू शांति नगर रायपुर , व्रज स्काई लाईन प्रा. लि. द्वारा संचालकगण डी सुरेश शेट पिता/पति-दयानंद शेट पता-न्यू शांति नगर रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 703/1(0.0155) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता शिखा मिश्रा पिता/पति-एम.एम. मिश्रा पता-जैन मंदिर के पीछे, विधुत नगर, दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण /अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 27/07/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार ,मंदिर हसौद पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता /आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/07/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदारः
Vikrant Singh Rathore
मंदिर हसौद

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी महोदय रायपुर(छ.ग.)
// शपथ-पत्र //

मैं पूनम पांडेय उम्र 33 वर्ष पति-श्री मुन्ना पांडेय निवासी- दिक्षीत आटा चक्की गली, संतोषी नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. जो कि शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि :-

01. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है ।
02. यह कि, मेरी पुत्री नैन्वी पांडेय (NAINVI PANDEY) का जन्म दिनांक- 13/06/2023 को जिला चिकित्सालय रायपुर छ.ग. में हुआ है जिसका जन्म प्रमाण पत्र जिला चिकित्सालय रायपुर छ.ग. द्वारा जारी किया गया था। जिसका पंजीकरण संख्या B-2023-22-90201-002086 पंजीकरण तारीख 01/07/2023 है।
03. यह कि उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम चित्रांशी पांडेय (CHITRANSHI PANDEY) अंकित है, जो कि भूलवश एवं त्रुटिपूर्ण है ।
04. यह कि, मैं अपनी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र उनका नाम नैन्वी पांडेय (NAINVI PANDEY) दर्ज करवाना चाहती हूं जो कि सत्य एवं सही है।
05. यह कि, यह शपथ पत्र उपरोक्त कथनों के सत्यता के समर्थन में मेरे द्वारा सक्षम अधिकारी/ विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है।

सत्यापन :- मैं शपथकर्ता सत्यापित करती हूँ कि इस शपथ-पत्र की कंडिका 01 से 05 तक में तक में लिखी बातें मेरे निजी ज्ञान एवं जानकारी अनुसार सत्य व सही है, अतः आज दिनांक को स्थान रायपुर छ.ग. में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया हूँ।

रायपुर छ.ग.
दिनांक-19.02.2026
शपथकर्ता
पूनम पांडेय

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 4939 दिनांक 01.06.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29, में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एल.आई.जी. (द्वितीय-तल)-22/205, को श्री मेघनाथ महानंद पिता स्व. श्री गोपी महानंद, के नाम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय से दिनांक 02.01.2015 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है तथा इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 6420 दिनांक 03.09.2015 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। वर्तमान में श्री मेघनाथ महानंद पिता स्व. श्री गोपी महानंद, निवासीः- जल विहार कालोनी, हाउस नं. -20, रायपुर तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) द्वारा उक्त प्रकोष्ठ भवन को क्रेता भाग्यशाली सर्वेश्वर गणपत घोडेस्वार पिता श्री सर्वेश्वर गणपत घोडेस्वार, निवासीः- फ्लैट नं.-106, फर्स्ट फ्लोर, आस्था ग्रीन, नियर अग्रवाल पब्लिक स्कूल, डॉ भीमराव आंबेडकर वार्ड 27, रायपुर जिला- रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29, में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एल.आई.जी. (द्वितीय-तल)-22/205, के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-नवा रायपुर अटल नगर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

पंथी कलाकारों ने सीएम और मंत्री को दिया आमंत्रण

रायपुर। बाबा गुरु घासीदास के संदेशों को सात समुंदर पार तक वैश्विक पहचान दिलाने वाले महान अंतर्राष्ट्रीय पंथी कलाकार स्व. देवदास बंजारे के स्मृति दिवस के अवसर पर 26 अगस्त को भव्य प्रदेश स्तरीय सतनाम पंथी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को सतनाम कलाकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हृदय प्रकाश अनंत के साथ कलाकार एवं सामाजिक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से मुलाकात कर उन्हें बतौर मुख्य अतिथि सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। मुलाकात करने वालों में अंतर्राष्ट्रीय पंथी एवं पंडवानी कलाकार, पद्मश्री डॉ. उषा बारले, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन, शिवा जांगड़े, द्वारिका बर्मन, चंदन बांधे, राजमहंत सुखचंद भास्कर, शशि सतनामी, पंडित राम जोशी, कृष्णा रात्रे आदि उपस्थित रहे।

कोटवारों की बैठक आज

रायपुर। कोटवार एशोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की प्रांतीय बैठक 17 जुलाई को राजधानी के बूढ़ापारा स्थित सप्रे शाला प्रांगण के कर्मचारी भवन में प्रातः 11 बजे से आयोजित की गई है। संगठन के प्रांत अध्यक्ष प्रेम किशोर बाघ ने बताया कि इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्षों की उपस्थिति रहेगी। बैठक में कोटवारों की लंबित मांगों, समस्याओं एवं संगठन के आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की जाएगी,साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने निर्णय लिए जाएंगे।

डस्टबिन नहीं रखा प्रतिबंधित प्लास्टिक मिला 7 दुकानों पर जुर्माना

रायपुर। शहर में स्वच्छता अभियान चलाने और लोगों को शहर को साफ-सुथरा रखने की अपील के बाद भी डस्टबिन नही रखने और बाजार क्षेत्र में कचरा फैलाने की शिकायत थम नहीं रही है। नगर निगम जोन 2 क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार को बाजार क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डस्टबिन नहीं रखने, गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक मिलने की शिकायत सही पाई गई। निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर निगम की टीम ने मनमीत केमिकल, बालाजी एजेंसी, सिंघ हार्डवेयर, पलक हार्डवेयर, प्रिंस सेनिटेशन पर 1000-1000 रुपए, सुपर मशीनरी पर 500 रुपए, रामेश्वर साहू पर 2 हजार रुपए इस तरह कुल 7 संबंधित दुकानों के संचालकों पर 7,500 रुपए का ई चालान किया।

बढ़े बिजली दरों से जनता बेहाल : ठाकुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ रही बिजली दरों, भारी-भरकम टैरिफ और अब जबरन थोपे जा रहे स्मार्ट मीटरों ने आम जनता, किसानों और व्यापारियों का जीना मुहाल कर दिया है। चारों ओर से सामने आ रही जनता की परेशानियां और जनाक्रोश यह साबित करता है कि बिजली विभाग और प्रशासन जमीनी हकीकत से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठा है। इस जनविरोधी नीति, स्मार्ट मीटर की तानाशाही और शहर में व्याप्त जलसंकट के खिलाफ मुखर होते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व श्रम कल्याण मंडल सदस्य (छत्तीसगढ़ शासन) एवं अधिवक्ता मनोज सिंह ठाकुर ने सरकार और प्रशासन को आड़े हाथों लिया है।

निधन

भोला प्रसाद नायक

रायपुर। मठपारा निवासी सेवानिवृत्त प्राचार्य भोला प्रसाद नायक (91) का 16 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे हीरेंद्र नायक, डॉ. अनिल नायक और अधिवक्ता हरीश नायक के पिता थे।

शौचालय में बंद न रह जाएं छात्र, इसलिए स्कूल बंद होने के पहले सघन जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शाला समय समाप्त होने के बाद अब शिक्षक सीधे घर नहीं जा सकेंगे। उन्हें इस बात की जांच करनी होगी कि कोई भी छात्र विद्यालय में फंसा ना रहे। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संदर्भ में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। डीपीआई ने अपने आदेश में कहा, अक्सर यह देखा गया है कि विद्यालय में उचित देखरेख न होने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसके अतिरिक्त, असावधानीवश किसी छात्र के कक्षा या शौचालय में बंद रह जाने जैसी अप्रिय घटनाएं भी संज्ञान में आती है, जो अत्यंत चिंताजनक है। इसलिए छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने शाला प्रबंधन को निर्देशित किया गया है।

लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किया आदेश

उत्तरदायी होंगे शिक्षक

आदेश के अनुसार, प्रतिदिन विद्यालय बंद होने के पूर्व संस्था प्रमुख (प्राचार्य/प्रधानपाठक) यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी कक्षाओं, शौचालयों, प्रयोगशालाओं और खेल के मैदानों की गहन जांच कर ली गई है। यह सुनिश्चित करने के बाद ही कमरों और मुख्य द्वार पर ताला लगाया जाए कि कोई भी छात्र परिसर के भीतर नहीं छूटा है। इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में प्रतिदिन रोटेशन के आधार पर शिक्षक अथवा कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाए, जो छुट्टी के समय पूरे परिसर का निरीक्षण कर ताला बंद करवाने के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होगा। छुट्टी के समय मुख्य द्वार पर होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने तथा विद्यार्थियों के सुरक्षित निकास के लिए गेट पर शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य की जाएगी। विद्यालय प्रांगण में गड्ढे व खुला बोरवेल हो तो तत्काल बंद करवाने की कार्यवाही करने कहा गया है। इसके अलावा बारिश के मौसम में दीवारें गीली होने के कारण खुले विद्युत प्रवाह से होने वाली दुर्घटना से बचने के लिए विद्युत कनेक्शन भलीभांति चेक कर ठीक करवाने भी कहा गया है।

रिकार्ड को ऑनलाइन करने दो करोड़ रुपए का प्रस्ताव लाने की तैयारी में प्रशासन

नकल निकालने की दिक्कत होगी खत्म, ऑनलाइन होंगे कलेक्टोरेट रिकार्ड रूम में रखे सभी दस्तावेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कलेक्टोरेट के रिकॉर्ड रूम में रखे जमीन-जायदाद से संबंधित दस्तावेज-मिसलबंद के नकल निकालने में आ रही दिक्कतें जल्द ही खत्म होंगी, क्योंकि जिला प्रशासन अब सारे पुराने रिकार्ड को ऑनलाइन करने की तैयारी में है।

रिकार्ड को ऑनलाइन करने के लिए लगभग दो करोड़ रुपए का प्रस्ताव भी बनाया जा रहा है। इस प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिलने के बाद रिकार्ड को ऑनलाइन किए जाने का काम किया जाएगा।

नकल निकालने में दो दिन से लेकर कई हफ्ते तक लग रहे

कलेक्टोरेट के रिकार्ड रूम में रखे जमीन-जायदाद से संबंधित दस्तावेज-मिसलबंद के नकल निकालने के दौरान लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदन करने के बाद भी लोगों को नकल मिलने में दो दिन से लेकर कई हफ्ते तक लग जाते हैं। समय पर नकल नहीं मिलने के कारण न्यायिक मामलों की सुनवाई पर असर पड़ता है, क्योंकि कई पुराने प्रकरण में मिसलबंद की जरूरत पड़ती है। बिना मिसलबंद नकल के न्यायालय में सुनवाई आगे बढ़ नहीं पाती, वहीं कई प्रकरणों में प्रॉपर्टी के पुराने दस्तावेजों की नकल की जरूरत पड़ती है। ऐसे में नकल निकालने में लगने वाले समय के कारण लोगों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

स्टॉफ की कमी, इसलिए दस्तावेज को ढूंढकर निकालना भी चुनौती से कम नहीं

रिकॉर्ड रूम में स्टॉफ की कमी है, इस कारण से पुराने दस्तावेज को ढूंढकर निकालने में कर्मचारियों का पसीना भी छूट जाता है, क्योंकि रिकार्ड रूम में वर्तमान से लेकर 100 साल पुराने भी दस्तावेज-मिसलबंद रखे हुए हैं। इतने बड़े पैमाने पर रखे दस्तावेजों के बीच किसी विशेष सन के दस्तावेजों को ढूंढकर निकालने में कर्मचारियों को भारी मेहनत करना पड़ती है। इसमें एक-दो दिन से लेकर कभी-कभी एक से दो हफ्ते तक लग जाते हैं।

प्रस्ताव बनाने की प्रक्रिया जारी

रिकार्ड रूम में रखे सारे दस्तावेज-मिसलबंद को ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव बनाने की प्रक्रिया जारी है। रिकार्ड को ऑनलाइन करने में लगभग दो करोड़ रुपए का खर्च आने की संभावना है। जल्द ही प्रस्ताव तैयार कर मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

- **कीर्तिमान सिंह राठौर,** अपर कलेक्टर रायपुर

ऑनलाइन होने से रिकार्ड रहेंगे सुरक्षित

ऑनलाइन होने से सभी रिकार्ड सुरक्षित भी रहेंगे, क्योंकि वर्तमान में सालों पुराने रिकार्ड जिस स्थिति में रखे हुए हैं, इससे उनके कभी भी नष्ट होने का खतरा भी मंडरा रहा है। रिकॉर्ड रूम में आग लगने से लेकर अन्य कई कारण से दस्तावेजों के नष्ट होने का खतरा भी मंडरा रहा है। ऐसे में सभी रिकार्ड ऑनलाइन होने हैं, तो मैनुअल रिकार्ड नष्ट होने के बाद भी वे हमेशा के लिए सुरक्षित रहेंगे।

एक क्लिक पर निकलेगी नकल

प्रशासनिक सूत्र के अनुसार रिकार्ड ऑनलाइन होने पर लोगों को नकल निकालने के लिए नकल शाखा के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऑनलाइन होने से पोर्टल में संबंधित दस्तावेज की नकल आसानी से निकल जाएगी। इससे समय की बचत भी होगी। उल्लेखनीय है कि जिले की सभी तहसील अंतर्गत जमीनों के सारे रिकार्ड भूइयां पोर्टल पर ऑनलाइन हो चुके हैं। इस पोर्टल में खसरा का विवरण, ग्राम का चयन करते सारे दस्तावेज एक क्लिक में दिखाई देते हैं। इसी प्रकार पंजीयन विभाग के सारे पुराने रिकार्ड भी ऑनलाइन किए जाने की प्रक्रिया जारी है।

साढ़े आठ लाख उपभोक्ताओं के बकाया बिजली बिल का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के बकाया की वसूली के लिए प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजान में अब तक साढ़े आठ लाख उपभोक्ताओं के बकाया बिल का समाधान किया गया है। इसको इस योजना से साढ़े सात सौ करोड़ का सरचार्ज भी माफ हो गया है। अब बचे उपभोक्ताओं को भी योजना का लाभ देने के लिए योजना की तिथि को तीन माह के लिए बढ़ा दिया गया है। इसी के साथ जिन उपभोक्ताओं के मामले में न्यायालय में चल रहे हैं, उनको भी योजना का लाभ देने का ऐलान किया गया है, लेकिन इसके लिए ऐसे उपभोक्ताओं को पहले न्यायालय से अपने प्रकरण वापस लेने होंगे। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया, मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना में उपभोक्ताओं से मिल रहे उत्साहजनक प्रतिसाद को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की अवधि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल संबंधी प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं, वे न्यायालय से अपना प्रकरण वापस लेकर योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। नियमानुसार आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद उन्हें उपलब्ध छूट एवं अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे।

- **अब न्यायालय में चल रहे मामलों के लिए भी समाधान योजना**

745 करोड़ का सरचार्ज माफ

योजना में अब तक प्रदेश भर के 8 लाख 61 हजार 38 सक्रिय उपभोक्ताओं का पंजीयन हुआ है, जिन पर 1,493 करोड़ रुपए की कुल बकाया राशि है। इसको 745.61 करोड़ रुपए का सरचार्ज माफ किया गया है। इन उपभोक्ताओं से पंजीयन शुल्क के रूप में 85.22 करोड़ रुपए मिले हैं। 1 लाख 42 हजार 799 उपभोक्ताओं ने अपने प्रकरणों का संपूर्ण समाधान प्राप्त किया है। इनको मूल राशि में 28.28 करोड़ रुपए तथा अधिभार में 50.60 करोड़ रुपए की छूट दी गई है। इनसे 58.96 करोड़ रुपए का भुगतान प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त 3.58 लाख निषक्रिय उपभोक्ताओं को मूल राशि में 124.31 करोड़ रुपए तथा अधिभार में 40.76 करोड़ रुपए, यानी कुल 165.07 करोड़ रुपए की छूट प्रदान की गई। इनसे 2.52 करोड़ रुपए का भुगतान प्राप्त हुआ।

भुगतान नहीं होने से नाराज कांट्रैक्टर आज विधानसभा का घेराव करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जल जीवन मिशन का दो साल से बकाया भुगतान नहीं होने से नाराज छत्तीसगढ़ कांट्रैक्टर एसोसिएशन शुक्रवार को विधानसभा का घेराव करेगा। कांट्रैक्टर एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि सरकारी निर्माण विभागों में मनमानी के कारण निर्माण कार्य पूर्ण होने बाद भी बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इससे प्रदेशभर के कांट्रैक्टर आक्रोशित हैं। उनका आरोप है कि शासन-प्रशासन की उदासीन रवैए के कारण निर्माण कार्य कराने वाले कांट्रैक्टरों की आर्थिक स्थिति खराब है।

लोक यांत्रिकीय विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन में हर घर जल योजना का कार्य करने वाले ठेकेदारों का 2200 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया गया है। इससे परेशान ठेकेदारों ने पिछले सप्ताह राजधानी में एकजुट होकर नीर भवन का घेराव किया। इसके बावजूद निराकरण नहीं होने पर अब छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन ने विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला ने कहना है कि पिछले दो सालों से प्रदेशभर के ठेकेदार संघर्ष कर रहे हैं। कई बार मंत्रियों से लेकर आला अफसरों के समस्याओं से अवगत कराया गया है, लेकिन समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। उन्होंने विभाग पर अफसरशाही हावी होने का आरोप लगाया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि अनुबंध होने के बाद नए-नए नियम और शर्तें लगाकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। इसके विरोध में प्रदेशभर के ठेकेदार मजबूर होकर लामबंद हुए हैं। भुगतान नहीं होने से निर्माण कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

- **घेराव में राज्य के सभी जिलों के ठेकेदार शामिल होंगे**

एपीके फाइल भेजकर सीए के अकाउंट से चार लाख उड़ाए, झारखंड से अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीए को एपीके फाइल भेज कर उनके अकाउंट से 3.94 लाख रुपए उड़ाने वाले दो जालसाजों को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के साथ डीडी नगर पुलिस ने झारखंड, बोकारो से गिरफ्तार किया है।

कंचनगंगा फेस-2, डीडी नगर निवासी चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु दत्त बघेल ने शिकायत पर पुलिस ने विशाल कुमार सिंह (26) और महेश प्रसाद सिंह (34) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मोबाइल हैक कर बैंक खातों से रुपए उड़ाए थे। दोनों आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर सीए के मोबाइल पर एपीके फाइल मैसेज भेजा था। मैसेज ओपन करते ही मोबाइल हैक हो गया और तीन दिनों में यूको बैंक और एक्सिस बैंक खातों से पैसे निकाल लिए गए। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो मोबाइल फोन, एक चेक बुक और दो हजार रुपए नकद जब्त किए हैं।

- **तकनीकी साक्ष्य की मदद से पुलिस ने दो जालसाजों को किया गिरफ्तार**

जालसाजों को पुलिस ने ऐसे किया गिरफ्तार

जालसाजों को पकड़ने क्राइम और डीडी नगर थाना की संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने बैंक ट्रांजेक्शन, मोबाइल डेटा, इलेक्ट्रानिक साक्ष्य और तकनीकी इनपुट का विश्लेषण किया। जांच में आरोपियों की लोकेशन झारखंड के बोकारो जिले में मिली। इसके बाद पुलिस टीम वहां पहुंची और लगातार निगरानी के बाद दोनों जालसाजों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी मैसेज भेजे, जिससे पीड़ित का मोबाइल हैक हुआ और फिर बैंक खातों से अनाधिकृत आनलाइन ट्रांजेक्शन कर रकम निकाल ली गई।

14 उज्ज्वला गैस कार्ड, 12 से ज्यादा सिलेंडर जब्ती के मामले में अब होगी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित चंगोराभाठा में एक चॉइस सेंटर में खाद्य विभाग ने छापा मारकर गैस के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया था। इस कारवाई के दौरान मौके से उज्ज्वला योजना के तहत वितरित किए गए 14 गैस कार्ड के साथ एक दर्जन से अधिक विभिन्न कम्पनियों के भरे गैस सिलेंडर बरामद किए थे। इतनी बड़ी कार्रवाई के लगभग दो महीने बाद भी इस मामले में दुकान संचालक के खिलाफ विभाग ने कोई बड़ा एक्शन नहीं लिया और मामूली प्रकरण बनाने की खानापूर्ति कार्रवाई की। इधर इस मामले में अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वे इसमें सख्त कार्रवाई करने के निर्देश देंगे। खाद्य निरीक्षक वीणा किरण साहू के नेतृत्व में लगभग दो माह पूर्व चंगोराभाठा स्थित एक चॉइस सेंटर में विभाग की टीम ने छापा मारा था। इस दौरान चॉइस सेंटर से एक दर्जन से अधिक गैस सिलेंडर तथा उज्वला योजना के तहत वितरित किए गए 14 गैस कार्ड भी बरामद किए गए थे। जांच में पाया गया कि इस चॉइस सेंटर का संचालक दुकान की आड़ में गैस सिलेंडरों का अवैध कारोबार पिछले कई साल से करता आ रहा है। जांच में यह भी पाया गया कि जो 14 गैस कार्ड मौके से बरामद हुए हैं, उन कार्ड को दुकानदार स्वयं इस्तेमाल करता था तथा ऑनलाइन बुकिंग कराकर आसानी से इसकी डिलीवरी लेकर अधिक दाम पर ग्राहकों को बेचा करता था।

- **चंगोराभाठा स्थित चॉइस सेंटर में छापे में अवैध सिलेंडरों की बिक्री का हुआ था भांडाफोड़**

कई गैस एजेंसी से साठगांठ की आशंका

छापामारी के दौरान मौके से मिले कई कंपनियों के सिलेंडर एवं गैस कार्ड मिलने से दुकान संचालक की कई गैस एजेंसियों से भी साठगांठ होने की संभावना जताई गई थी, लेकिन इस दिशा में विभाग द्वारा जांच तक नहीं की गई। इधर जिन उपभोक्ता के गैस कार्ड मिले हैं, उनके बारे में भी पता नहीं लगाया गया है कि आखिर ये कार्ड आरोपी संचालक के पास आए कैसे तथा इन कार्डों से सिलेंडर की बुकिंग एवं डिलीवरी कैसे हो रही थी।

सख्त कार्रवाई कराई जाएगी

कलेक्टर के निर्देश हैं कि गैस सिलेंडरों, डीजल-पेट्रोल के अवैध कारोबार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इस मामले में जांच कराकर सख्त कार्रवाई कराई जाएगी।

*- **कीर्तिमान सिंह राठौर,** अपर कलेक्टर रायपुर*

पेज 9 के शेष

रेलवे भर्ती परीक्षा में ...

महाराष्ट्र, नागपुर निवासी आफताब को गिरफ्तार किया है। परीक्षार्थी की गतिविधि संदिग्ध पाए जाने पर पर्यवेक्षक, परीक्षार्थी की निगरानी करने लगे। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। कैमरे में परीक्षार्थी मोबाइल से कंप्यूटर स्क्रीन में लिखे प्रश्नों की फोटो खींचते दिखा। इसके बाद इसकी शिकायत थाने में की गई।

एक साल से कान ...

(टिम्पैनोप्लास्टी एवं ऑसिक्युलोप्लास्टी) भी किया। ईएनटी विभाग ने माइक्रोस्कोपिक सर्जरी के माध्यम से यह जटिल ऑपरेशन किया। ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. हंसा बंजारा के अनुसार, यदि समय रहते सर्जरी नहीं की जाती, तो बच्ची की सुनने की क्षमता स्थायी रूप से प्रभावित हो सकती थी। संक्रमण के आंतरिक कान या मस्तिष्क तक फैलने का भी खतरा था। सफल ऑपरेशन के बाद बच्ची स्वस्थ है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। उम्मीद है कि उसकी सुनने की क्षमता लगभग सामान्य हो जाएगी और वह सामान्य जीवन जी सकेगी। डॉ. दुर्गेश गजेंद्र, पीजी छात्रा डॉ. ज्योति किरण सहित निश्चेतना विभाग की डॉ. अमृता टीम का हिस्सा रहीं।

थोक में धनिया, अदरक...

ज्यादा लूट की वजह से ग्राहकों को ज्यादा नुकसान हो रहा है। वैसे भी चिल्हर में हमेशा से ज्यादा लूट रहती है। धनिया के दाम बढ़ते-बढ़ते एक सप्ताह में थोक में सौ से दो सौ रुपए हो गए हैं। डूमरतराई मंडी में इसके दाम 150 से 200 रुपए हैं। लेकिन ज्यादातर चिल्हर कारोबारी इसको 70 से 80 रुपए पाव में बेच रहे हैं। इसी तरह से अदरक के दाम भी इस समय दो सौ रुपए के करीब हैं। कुछ समय पहले इसके दाम दो सौ के पार हो गए थे, लेकिन अब इसके दाम थोक में 160 से 170 रुपए हो गए हैं। लेकिन चिल्हर में इसको 70 से 80 रुपए पाव बेचा जा रहा है।

पीएम फसल बीमा 31 तक, पिछले वर्ष 1177 किसानों को मिली नुकसान की राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को फसल उत्पादन के दौरान होने वाले नुकसान की भरपाई करती है। बाधित रोपाई, रोपण जोखिम, ओलावृष्टि, बादल का फटना, प्राकृतिक आकाशीय बिजली, ओला गिरने तथा फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान से बचाने का काम बीमा करता है। इस योजना के तहत जिले में पिछले वर्ष 1117 किसानों को नुकसान से बचाया गया। बीमा होने के कारण इन सभी किसानों को कुल 1 करोड़ 28 लाख रुपए की क्षति राशि दी गई। कृषि विभाग के अधिकारी सतीश अवस्थी ने बताया कि किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान से बचाने के लिए ही यह योजना है, इसलिए प्रत्येक किसान को इस योजना से जुड़कर बीमा कराना चाहिए। जिले में धान सिंचित एवं असिंचित के साथ सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द, रागी एवं कोदो भी अधिसूचना में शामिल है, जिसका बीमा किसान करा सकते हैं। उप संचालक कृषि विभाग रायपुर ने बताया कि वर्ष 2025 में 1117 किसानों की फसलों को नुकसान हुआ था, जिन्हें बीमा के कारण क्षति राशि दी गई। अगर वे बीमा नहीं कराते, तो उनके नुकसान की भरपाई नहीं हो पाती। फसल बीमा के लिए आधार कार्ड की छायाप्रति, भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2), बैंक पासबुक, फसल बोने के आशय का घोषणा पत्र, किसान का वैध मोबाइल नंबर एवं बटाईदार, कास्तकार, साझेदार किसानों के लिए फसल साझा, कास्तकार का घोषणा पत्र दस्तावेज अनिवार्य किए गए है।

कलेक्टर ने की किसानों से अपील, बीमा जरूर कराएं

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ सीजन 2026 के अंतर्गत फसल बीमा कराने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। कलेक्टर गौरव सिंह ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि तक अपने फसलों का बीमा करा लें, ताकि किसी भी प्रकार से फसलों को नुकसान होता है, तो क्षतिपूर्ति के रूप में उन्हें नुकसान की राशि बीमा के माध्यम से मिल सके। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसान नजदीकी बैंक, वित्तीय संस्थान, ग्राहक सेवा केन्द्र (सी.एस.सी) सेंटर में जाकर बीमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि खरीफ वर्ष 2026 में मुख्य फसल धान सिंचित के लिए प्रति हेक्टेयर 66 हजार रूपए और धान असिंचित के लिए 49 हजार 500 रूपए प्रति हेक्टेयर की क्षतिपूर्ति राशि निर्धारित की गई है, जिसकी प्रीमियम राशि 2 प्रतिशत कृषक अंश के रूप में धान सिंचित के लिए 1320 रूपए प्रति हेक्टेयर एवं धान असिंचित के लिए 990 रूपए प्रति हेक्टेयर है।

चालीहा महोत्सव शुरू, साईं शेहरावाले आज आएंगे रायपुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सिंधी समाज में 40 दिनों के व्रत उपवास व आराधना का पर्व चालीहा महोत्सव मनाया जाएगा, जो 16 जुलाई से शुरू हो गया है, जिसके अंतर्गत सिंधी समाजजन भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना करते हैं, 40 दिनों तक उपवास रखकर घर में ज्योत जलाकर भगवान झूलेलाल की आराधना करेंगे तथा मनोकामना पूर्ति के लिए आस की मटकी अपने घर में रखेंगे, जिसमें जल भरकर विधि-विधान से 40 दिनों तक पूजा अर्चना की जाएगी। साईं शेहरावाले 17 जुलाई को रायपुर पहुंचेंगे तथा समाजजनों को आस की मटकी घर में रखने के लिए स्वयं अपने हाथों से वितरित करेंगे और पूजा एवं संपूर्ण विधि विधान की जानकारी समाजजनों को देंगे। अहमदाबाद के संत साईं शेहरावाले भगवान झूलेलाल के अवतार माने जाते हैं, उनका रायपुर आगमन हो रहा है। उनके आगमन पर समाज द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा तथा विभिन्न आयोजन दो दिनों तक रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव में किए जाएंगे। यह जानकारी साईं शेहरावाले से जुड़े सेवादारी महेश रोहरा, मुकेश थावानी, सुभाष बजाज व तनेश आहूजा ने देते हुए बताया कि रायपुर सिंधी समाज व थावानी परिवार की ओर से इस अवसर पर 17 जुलाई को साईंजी के शहर आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा।

धरसीवां के स्कूलों में मिली लचर व्यवस्था, सीईओ ने प्राचार्यों को लगाई फटकार

नीलजा, पवनी और पथरी में विकास कार्यों की जांची जमीनी हकीकत; रीपा सेंटर में ब्रांडिंग के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ धरसींवा

जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन ने धरसीवां जनपद अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का तूफानी दौरा कर ग्रामीण विकास कार्यों और शासकीय सेवाओं की जमीनी हकीकत जांची। इस उच्च स्तरीय प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान जहां एक ओर विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, वहीं शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को सख्त लहजे में अंतिम चेतावनी दी गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार विश्वरंजन ने जनपद पंचायत धरसीवां के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नीलजा, पवनी और पथरी का मैदानी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले नीलजा स्थित महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) सेंटर का बारीकी से अवलोकन किया। रीपा सेंटर में कार्यरत स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा करते हुए उन्होंने उनके द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों की जानकारी ली। श्री विश्वरंजन ने समूह की आर्थिक उन्नति पर जोर देते हुए कहा कि उत्पादों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने प्रभावी ब्रांडिंग और बेहतर मार्केटिंग रणनीतियों को अपनाने की सलाह दी, ताकि स्थानीय उत्पादों को नए और बड़े बाजार मिल सकें और ग्रामीण महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सके। रीपा सेंटर के अवलोकन के पश्चात सीईओ ने वीबीजी राम जी योजना के अंतर्गत संचालित जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया।

लापरवाही और अनुशासनहीनता भड़के सीईओ

निरीक्षण के इसी क्रम में जब जिला पंचायत सीईओ नीलजा और पथरी के शासकीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण करने पहुंचे, तो वहां की प्रशासनिक और शैक्षणिक व्यवस्था बेहद लचर मिली। स्कूलों में शासकीय कार्यों के प्रति घोर लापरवाही और अनुशासनहीनता पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। श्री कुमार विश्वरंजन ने संबंधित प्रधान पाठक एवं प्राचार्य की क्लास लगाते हुए उन्हें कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि बच्चों के भविष्य और शासकीय दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि भविष्य में शासकीय कार्यों में इस तरह की उदासीनता दोबारा देखने को मिली, तो संबंधित दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक व अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

खबर संक्षेप

कलाकारों ने मुख्यमंत्री को दिया नेवता सतनाम पंथी महोत्सव मे होंगे शामिल

मंदिर हसौद। केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के निर्देश और आशीर्वाद से इस वर्ष छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और बाबा गुरु घासीदास जी के संदेशों को सात समुन्दर पार तक वैश्विक पहचान दिलाने वाले महान अंतर्राष्ट्रीय पंथी कलाकार स्व. देवदास बंजारे जी के स्मृति दिवस 26 अगस्त 2026 को भव्य प्रदेश स्तरीय सतनाम पंथी महोत्सव के रूप मे आयोजित करने के लिये तैयारीयां तेज कर दी है। इसी कड़ी में सतनाम कलाकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हृदय प्रकाश अनंत के साथ कलाकार एवं सामाजिक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से मुलाकात कर उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ी कला संस्कृति और समाज के कई बड़े चेहरे एक साथ नजर आए। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सतनाम संस्कृति एवं संगीत अकादमी कलाकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हृदय प्रकाश अनंत ने किया।पद्मश्री डॉ. उषा बारले (अंतर्राष्ट्रीय पंथी एवं पंडवानी कलाकार) मोना सेन (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम)शिवा जांगड़े, द्वारिका बर्मन, चन्दन बांधे राजमहंत सुखचंद भाष्कर, शशि सतनामी पंडित राम जोशी, कृष्णा रात्रे एवं समाज के अन्य वरिष्ठ कलाकार व सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

कोटवारों की बैठक आज

रायपुर। कोटवार एशोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की प्रांतीय बैठक 17 जुलाई को राजधानी के बूढ़ापारा स्थित सप्रे शाला प्रांगण के कर्मचारी भवन में प्रातः 11 बजे से आयोजित की गई है। संगठन के प्रांत अध्यक्ष प्रेम किशोर बाघ ने बताया कि इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलाध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्षों की उपस्थिति रहेगी। बैठक में कोटवारों की लंबित मांगों, समस्याओं एवं संगठन के आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की जाएगी,साथ ही संगठन को और अधिक मजबूत बनाने निर्णय लिए जाएंगे।

डस्टबिन नहीं रखा प्रतिबंधित प्लास्टिक मिला 7 दुकानों पर जुर्माना

रायपुर। शहर में स्वच्छता अभियान चलाने और लोगों को शहर को साफ-सुथरा रखने की अपील के बाद भी डस्टबिन नही रखने और बाजार क्षेत्र में कचरा फैलाने की शिकायत थम नहीं रही है। नगर निगम जोन 2 क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गुरुवार को बाजार क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डस्टबिन नहीं रखने, गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक मिलने की शिकायत सही पाई गई। निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर निगम की टीम ने मनमीत केमिकल, बालाजी एजेंसी, सिंघ हार्डवेयर, पलक हार्डवेयर, प्रिंस सेनिटेशन पर 1000-1000 रुपए, सुपर मशीनरी पर 500 रुपए, रामेश्वर साहू पर 2 हजार रुपए इस तरह कुल 7 संबंधित दुकानों के संचालकों पर 7,500 रुपए का ई चालान किया।

पर्व : गजा-मूंग प्रसाद का लेने उमड़ा जनसैलाब, रथ पर हुई महाआरती

महाप्रभु जगन्नाथ की निकाली शोभायात्रा रथ खींचने के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तिल्दा नेवरा

भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। जगन्नाथ मंदिर से शुरू हुई रथ यात्रा नगर भ्रमण कर गापाल मंदिर भगवान के मौसी घर आकर समाप्त हुई। यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. माना जाता है कि ब्रह्मांड में एक जगन्नाथ भगवान ही ऐसे भगवान है। जो वर्ष में एक बार बाहर आकर अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। प्रसाद के रूप में अपना आशीर्वाद प्रदान करते है जगत के नाथ अर्थात भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा गुरुवार आषाढ़ शुक्ल दूज से शुरू हुई। भक्तों को दर्शन देने के लिए भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ रथ पर विराजमान होकर प्रजा के हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले। इस मौके पर भक्तों ने जगह-जगह भगवान का स्वागत कर आरती की और फूल बरसाकर आशीर्वाद लिया।

तिल्दा नेवरा में यात्रा 75 सालो से गांधी चौक नेवरा स्थित प्राचीन श्री जगदीश मंदिर से निकली जा रही है। जगत के पालनहार भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के लिए सुबह से ही प्राचीन श्रीजगन्नाथ मंदिर में भक्त पहुंचना शुरू हो गए थे। भगवान के स्वस्थ होने पर वैदिक मंत्रों और जयकारों के बीच भगवान जगन्नाथ नई पोशाक पहनकर गर्भ गृह से निकले और नगरवासियों के हाल जानने के लिए रथ पर विराजे। इसके चलते भगवान का रथ आकर्षक सजाया गया था। दोपहर तीन बजे भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा के रथ पर विराजने के बाद भगवान की भव्य महाआरती पुजारी एवं सैकड़ों भक्तों ने की। आरती के बाद भक्तों ने रथ को हाथों से खींचते हुए आगे बढ़ाया और पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान भगवान के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। उनके दर्शन के लिए रथ यात्रा में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ से ही जगन्नाथपुरी पहुंचे थे महाप्रभु : पं. विजय वैष्णव

रथयात्रा शाम 3 बजे भजन मंडलियों के साथ जगदीश मंदिर से शुरू हुई रथ यात्रा सुभाष चौक, अग्रसेन चौक, गुरु नानक चौक, सिंधी कैंप हेमू कॉलोनी चौक होते हुए, स्टेशन चौक मा दुर्गा मंदिर पहुंची। यहां से रथ यात्रा हाई स्कूल रोड के लिए दीनदयाल उपाध्याय चौक, होते हुए नेवर बस्ती पहुंचकर भगवान जगन्नाथ की मौसी के घर गोपाल मन्दिर पहुंच कर समाप्त हुई यात्रा के दौरान रास्ते में महिलाएं बच्चो के साथ घरों की छतों और गैलरियों में खड़ी होकर दर्शन लाभ ले रही थी। भगवान के रथ के खींचने के लिए भक्तों का ताता लगा रहा। शिव अग्रवाल, योगेश गांधी, भीखम चंद मुनका, दीनानाथ अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मोती मुनका,अवतार शर्मा ,संजय अग्रवाल, दिलीप अगवाल, दीपक अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, रवि गांधी, पवन अगवाल, जीतू शर्मा, राजू गांधी, रथ को खींचते भगवान के जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। जगन्नाथ मंदिर के पुजारी विजय वैष्णव के अनुसार उत्कल संस्कृति और दक्षिण कोसल की संस्कृति के बीच की यह एक अटूट साझेदारी है। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का मूल स्थान छत्तीसगढ़ का शिवरीनारायण-तीर्थ है, यहीं से वे जगन्नाथपुरी जाकर स्थापित हुए। शिवरीनारायण में ही त्रेता युग में प्रभु श्रीराम ने माता शबरी के मीठे बेरों को ग्रहण किया था। यहां वर्तमान में नर-नारायण का मंदिर स्थापित है।

मलौद में गूंजा भगवान जगन्नाथ का जयधोष, सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

सिलयारी। श्री सीताराम मंदिर मलौद में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। सुबह विधि-विधान से मंगल पूजन, आरती एवं चना-मूंग का भोग अर्पित करने के बाद भगवान की रथयात्रा का शुभारंभ हुआ।भजन-कीर्तन और धार्मिक संगीत की मधुर धुनों के बीच सुसज्जित रथ पूरे गांव में भ्रमण करता रहा।

श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भगवान की आरती उतारकर पुष्प वर्षा की तथा दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। रथयात्रा में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आयोजन के दौरान सभी भक्तों को भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद वितरित किया गया।ग्राम पुरोहित पंडित मनहरण प्रसाद शर्मा ने बताया कि रथयात्रा का मंडप उनके पूर्वजों द्वारा निर्मित कराया गया था।

पूर्वजों की परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए इस वर्ष 54 वर्ष पुराने मंडप का आकर्षक ढंग से नवीनीकरण एवं साज-सज्जा की गई। इसी के साथ भगवान जगन्नाथ की 55वीं वार्षिक रथयात्रा हर्षोल्लास, श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुई।रथयात्रा के दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ से क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

भगवान जगन्नाथ की निकली रथयात्रा, गजामूंग का बाटा प्रसाद

तरपोंगी। क्षेत्र के ग्राम तरपोंगी में पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ भगवान जगन्नाथ, भइया बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा का शुभारंभ राधा कृष्ण मंदिर से विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद हुआ। इसके बाद भगवान का रथ बाजार चौक, साईं मंदिर, राम मंदिर और पुराना बुधवारी बाजार चौक से होते हुए नगर भ्रमण पर निकला। रथयात्रा के स्वागत के लिए जगह-जगह श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। गली भ्रमण के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ, जहां उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच विशेष रूप से 'गजामूंग' का प्रसाद वितरण किया गया।

जिला स्तरीय पीएलसी की बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, नवाचारों का बना रोडमैप

धरसींवा। जिला परियोजना कार्यालय रायपुर में त्रिदिवसीय जिला स्तरीय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (पीएलसी) की अंतिम बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिला मिशन समन्वयक अरुण शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में रायपुर जिले के सभी ब्लॉकों के पीएलसी सदस्यों ने हिस्सा लिया। तीन दिनों तक चले इस मंथन के पहले दिन अभनपुर और आरंग, दूसरे दिन तिल्दा और धरसींवा ग्रामीण, तथा अंतिम दिन रायपुर शहरी क्षेत्र के सदस्यों ने हिस्सा लेकर विद्यालयों में शैक्षणिक सुधार और नवाचारी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में जिला मिशन समन्वयक अरुण शर्मा ने पीएलसी सदस्यों को शासन की प्राथमिकताओं और शैक्षिक कार्यक्रमों के बेहतर संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जमीनी स्तर पर पीएलसी की सक्रियता से ही बच्चों के सीखने के परिणामों में बड़ा सुधार लाया जा सकता है। बैठक के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, रचनात्मक अध्यापन और विनोबा एप के उपयोग पर गंभीर चर्चा हुई। इसके साथ ही, बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता मिशन के तहत मार्च 2027 तक शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया गया।

इसके अलावा, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' और 'हरिहर पाठशाला 3.0' अभियान के तहत पौधारोपण पर विशेष रणनीति बनी, जिसके तहत रोपे गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी सीधे विद्यार्थियों को सौंपी जाएगी और हर महीने उनकी प्रगति की फोटो अपलोड की जाएगी। स्कूलों में साइंस कॉर्नर की स्थापना, विद्यार्थी विकास सूचकांक तैयार करने, मुस्कान पुस्तकालय के संचालन और जादुई पिटारे के उपयोग पर भी सहमति बनी। पीएलसी सदस्य अब संकुल समन्वयकों के साथ मिलकर इन सभी गतिविधियों को स्कूलों में लागू करेंगे। बैठक के समापन पर सभी सदस्यों को उनके पहचान पत्र वितरित किए गए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में एपीसी पूनम तिवारी, बसंत वर्मा, विनोबा के सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर आशीष निर्मलकर, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से दुर्गेश बिसेन, पीएलसी लीडर चंचल शुक्ला, बृजेंद्र तिवारी, अभिमन्यु मिश्रा, रवि सिन्हा, अंजुम शेख, मेघा देवांगन, कंचन लता, संगीता वर्मा, विभिन्न विकासखंडों के बीआरसीसी तथा अन्य जिला पीएलसी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बढ़े बिजली दरों से जनता बेहाल : ठाकुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ रही बिजली दरों, भारी-भरकम टैरिफ और अब जबरन थोपे जा रहे स्मार्ट मीटरों ने आम जनता, किसानों और व्यापारियों का जीना मुहाल कर दिया है। चारों ओर से सामने आ रही जनता की परेशानियां और जनाक्रोश यह साबित करता है कि बिजली विभाग और प्रशासन जमीनी हकीकत से पूरी तरह आंखें मूंदे बैठा है। इस जनविरोधी नीति, स्मार्ट मीटर की तानाशाही और शहर में व्याप्त जलसंकट के खिलाफ मुखर होते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व श्रम कल्याण मंडल सदस्य (छत्तीसगढ़ शासन) एवं अधिवक्ता मनोज सिंह ठाकुर ने सरकार और प्रशासन को आड़े हाथों लिया है।

पेज 09 के शेष...

रेलवे भर्ती परीक्षा में...

महाराष्ट्र, नागपुर निवासी आफताब को गिरफ्तार किया है। परीक्षार्थी की गतिविधि संदिग्ध पाए जाने पर पर्यवेक्षक, परीक्षार्थी की निगरानी करने लगे। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। कैमरे में परीक्षार्थी मोबाइल से कंप्यूटर स्क्रीन में लिखे प्रश्नों की फोटो खींचते दिखा। इसके बाद इसकी शिकायत थाने में की गई।

एक साल से कान ...

(टिम्पैनोप्लास्टी एवं ऑसिक्युलोप्लास्टी) भी किया। ईएनटी विभाग ने माइक्रोस्कोपिक सर्जरी के माध्यम से यह जटिल ऑपरेशन किया। ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. हंसा बंजारा के अनुसार, यदि समय रहते सर्जरी नहीं की जाती, तो बच्ची की सुनने की क्षमता स्थायी रूप से प्रभावित हो सकती थी। संक्रमण के आंतरिक कान या मस्तिष्क तक फैलने का भी खतरा था। सफल ऑपरेशन के बाद बच्ची स्वस्थ है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। उम्मीद है कि उसकी सुनने की क्षमता लगभग सामान्य हो जाएगी और वह सामान्य जीवन जी सकेगी। डॉ. दुर्गेश गजेंद्र, पीजी छात्रा डॉ. ज्योति किरण सहित निश्चेतना विभाग की डॉ. अमृता टीम का हिस्सा रहीं।

थोक में धनिया...

ज्यादा लूट की वजह से ग्राहकों को ज्यादा नुकसान हो रहा है। वैसे भी चिल्हर में हमेशा से ज्यादा लूट रहती है। धनिया के दाम बढ़ते-बढ़ते एक सप्ताह में थोक में सौ से दो सौ रुपए हो गए हैं। डूमरतराई मंडी में इसके दाम 150 से 200 रुपए हैं। लेकिन ज्यादातर चिल्हर कारोबारी इसको 70 से 80 रुपए पाव में बेच रहे हैं। इसी तरह से अदरक के दाम भी इस समय दो सौ रुपए के करीब हैं। कुछ समय पहले इसके दाम दो सौ के पार हो गए थे, लेकिन अब इसके दाम थोक में 160 से 170 रुपए हो गए हैं। लेकिन चिल्हर में इसको 70 से 80 रुपए पाव बेचा जा रहा है।

निनवा हाई स्कूल में पौधारोपण के साथ साइकिल वितरण

साइकिल केवल साधन नहीं, बेटियों के सपनों को नई उड़ान: साहू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ तिल्दा-नेवरा

तिल्दा विकासखंड के ग्राम निनवा स्थित हाई स्कूल में पर्यावरण संरक्षण और बेटी शिक्षा को समर्पित प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पंचायत रायपुर के सभापति शैल महेंद्र साहू के मुख्य आतिथ्य तथा सरपंच गोविंद सारंग और उपसरपंच प्रकाश जेठी के विशेष आतिथ्य में विद्यालय परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान शासन की योजना के तहत छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को टी-शर्ट भी प्रदान की गई। साइकिल मिलने से छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे, वहीं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य अतिथि शैल महेंद्र साहू ने कहा कि आज लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर हैं। यही पौधे भविष्य में शुद्ध हवा देंगे, पर्यावरण का संतुलन बनाए रखेंगे और विद्यालय परिसर को हराभरा बनाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से कम से कम एक पौधे की जिम्मेदारी लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे गांव और प्रदेश को हरित बनाने में बड़ी भूमिका निभाई जा सकती है।

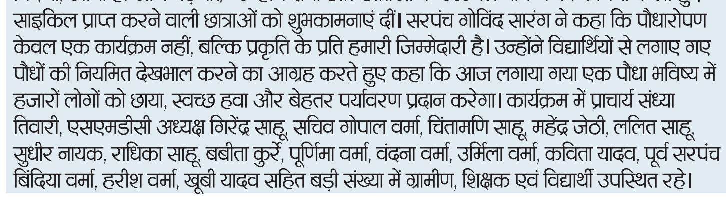

प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं छात्र: सरपंच

अपने संबोधन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, /"शिक्षा शेरनी का दूध है, जो जितना पिएगा, उतना ही आगे बढ़ेगा।/" उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। सरपंच गोविंद सारंग ने कहा कि पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आग्रह करते हुए कहा कि आज लगाया गया एक पौधा भविष्य में हजारों लोगों को छाया, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण प्रदान करेगा। कार्यक्रम में प्राचार्य संध्या तिवारी, एसएमडीसी अध्यक्ष गिरेंद्र साहू, सचिव गोपाल वर्मा, चिंतामणि साहू, महेंद्र जेठी, ललित साहू, सुधीर नायक, राधिका साहू, बबीता कुर्रे, पूर्णिमा वर्मा, वंदना वर्मा, उर्मिला वर्मा, कविता यादव, पूर्व सरपंच बिंदिया वर्मा, हरीश वर्मा, खूबी यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

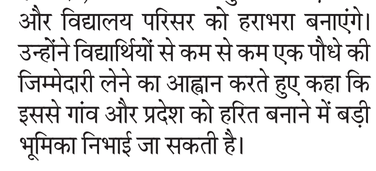

डॉ. सुखदेव नागार्जुन सम्मान से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मंदिर हसौद

भाषा अस्मिता अकादमी, छत्तीसगढ़ मित्र एवं शोध प्रकल्प के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 17 जून 2026 तक सिंगापुर साहित्य-संस्कृति उत्सव एवं पर्यटन यात्रा का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यटन गतिविधियों के साथ एक दिवसीय संगोष्ठी, शोध-पत्र वाचन तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर आयोजित साहित्य सम्मेलन में "सिंगापुर आगे बढ़े" नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इस सेमिनार एवं सम्मेलन में हिंदी, अंग्रेज़ी, संस्कृत, उर्दू सहित साहित्य, कला, संगीत एवं समाज विज्ञान से जुड़े साहित्यकारों, पत्रकारों, शिक्षाविदों, कलाकारों, शोधार्थियों तथा पर्यटन प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सम्मेलन में विद्वानों ने अपना परिचय देते हुए समाज, संस्कृति, कला एवं साहित्य से जुड़े विविध विषयों पर अपने विचार एवं प्रस्तुतियां दीं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदी एवं संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार, भाषाई अस्मिता का संवर्धन, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करना तथा साहित्य और पर्यटन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर डॉ. आर.के. सुखदेव रायपुर को उनके साहित्यिक योगदान के लिए 'नागार्जुन सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं सफल वातावरण में संपन्न हुआ।

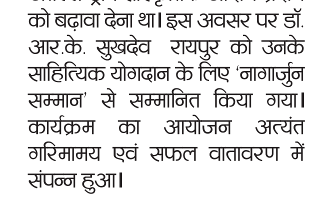

तस्कर के यार्ड में खैर के साथ प्रतिबंधित कहुआ लकड़ी के गोले जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लकड़ी तस्कर के तेंदुआ स्थित यार्ड में गुरुवार के पूर्व जब्त लकड़ी के गोले का मेजरमेंट किया गया। पहले दिन के मेजरमेंट में 5.62 घन मीटर तीन लकड़ी जब्त की गई। देर शाम तक आधे लकड़ी के गोले का मेजरमेंट हो पाया है। मेजरमेंट की कार्रवाई शुक्रवार को भी की जाएगी। खैर के साथ प्रतिबंधित कहुआ के गोले जब्त किए गए। लकड़ी तस्कर मनीष अग्रवाल की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मनीष अग्रवाल की आर्थिक गतिविधियों और उसकी संपत्तियों की भी जांच कराई जाएगी। इसके लिए विभाग ने आयकर और जीएसटी विभाग को पत्र भेजा है। जांच में सामने आया कि लकड़ियां मथुरा, हरियाणा और राजस्थान भेजी जानी थी। तस्कर के खिलाफ प्रदेश के अलग-अलग जिलों में खैर सहित अन्य बहुमूल्य वन उत्पादों की तस्करी के आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

हरिभूमि फॉलोअप

शुक्रवार को भी लकड़ियों का मेजरमेंट किया जाएगा, अब तक तीन ट्रक लकड़ी जब्त

अब तक 15 ट्रक से ज्यादा लकड़ी तस्करी

विभागीय अधिकारियों को जानकारी मिली है कि लकड़ी तस्कर तेंदुआ में यार्ड किराए पर लेने के बाद अब तक 15 ट्रक से ज्यादा खैर के साथ प्रतिबंधित कहुआ लकड़ी के गोले की तस्करी कर चुका है, जिसकी कीमत करोड़ों में है। लकड़ी तस्कर की गिरफ्तारी के लिए वन विभाग के अफसर जरूरत पड़ने पर पुलिस की भी मदद लेने की बात कह रहे हैं।

जांच में सामने आया कि लकड़ियां मथुरा हरियाणा और राजस्थान भेजी जानी थी

लकड़ी तस्कर की अब तक नहीं हुई गिरफ्तारी

जब्त खैर लकड़ी का मेजरमेंट, जब्ती न हो इसके लिए यार्ड के गेट पर लोड ट्रक किया पार्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सेकेंड हैंड दोपहिया वाहन कारोबारी से बना लकड़ी तस्कर

छह माह पूर्व 15 ट्रक गोले जब्त किए गए थे

4 महीने पहले किराए में लिया था यार्ड

जांच में सामने आया है कि मनीष अग्रवाल ने तेंदुआ स्थित गोदाम को 11 मार्च 2026 को किराए पर लिया था। गोदाम का मासिक किराया 28 हजार रुपए तय हुआ था। यार्ड मालिक धर्मवीर सिंह के अनुसार उसे लकड़ी तस्कर के काम की जानकारी नहीं थी, उसे यह नहीं बताया गया था कि गोदाम का इस्तेमाल किस काम के लिए किया जाएगा। यार्ड मालिक के अनुसार उसे दो माह का किराया भी नहीं मिला है। लकड़ी तस्कर के मुंशी इरफान के माध्यम से धर्मवीर ने अपना यार्ड किराए पर दिया था।

खबर संक्षेप

सीईओ ने किया स्कूलों का औचक निरीक्षण

रायपुर। जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन ने जनपद पंचायत धरसींवा अंतर्गत ग्राम पंचायत नीलजा एवं पथरी के शासकीय विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित प्रधान पाठक एवं प्राचार्य को फटकार लगाई। उन्होंने दो टूक में कहा कि शासकीय दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्री बीएड के परिणाम घोषित

रायपुर। बीएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए हैं। व्यापम ने प्री बीएड का आयोजन 11 जून को किया था। अंतिम उत्तर सहित अपने नतीजे छात्र व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। इसके प्राप्तांकों के आधार पर छात्रों को बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश दिए जाएंगे।

नरसिंगनाथ दर्शन के लिए 19 को रवाना होगा पेंशनर यात्रा दल

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश जिला रायपुर के तत्वावधान में वरिष्ठ पेंशनर्स के लिए 19 जुलाई को नरसिंहनाथ धाम दर्शन एवं अध्ययन यात्रा का आयोजन किया गया है। यात्रा दल प्रातः 7:45 बजे यूनियन कार्यालय, रायपुर से रवाना होगा। यात्रा के दौरान प्रतिभागी सर्वप्रथम आरंग स्थित प्राचीन मांड देवल जैन मंदिर का दर्शन करेंगे। इसके पश्चात ओडिशा के प्रसिद्ध एवं पौराणिक महत्व नरसिंहनाथ धाम में भगवान नरसिंह देव के दर्शन-पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, की कामना करेंगे। यात्रा कार्यक्रम में नरसिंहनाथ क्षेत्र के पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का अवलोकन भी शामिल है।

बजट कहां से आएगा, शासन से मिलेगी राशि या निगम उठाएगा अतिरिक्त खर्च

महापौर-जोन अध्यक्षों ने अधिकारियों से पूछा नई सफाई व्यवस्था के लिए क्या है वर्कप्लान ?

महापौर ने दिए सुझाव किसी एक जोन या एक विधानसभा में ट्रॉयल बतौर शुरू हो पॉयलट प्रोजेक्ट

रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था में होने जा रहे बड़े बदलाव से पहले नई व्यवस्था को लेकर महापौर, जोन अध्यक्ष, एमआईसी सदस्य से लेकर वार्ड पार्षदों के मन में सवाल उठने लगे हैं। शंका ये भी है, चार ठेका कंपनी की सफाई व्यवस्था में विधानसभा वार आने से पार्षदों की भूमिका क्या रहेगी? वार्ड की सफाई में पहले की तरह निर्धारित संख्या में कर्मचारी होंगे या इनकी संख्या बढ़ेगी? एक वार्ड में कितने सफाई कर्मचारी रहेंगे? एक सवाल भी आया कि क्या नई व्यवस्था लाने से पहले शहर में वार्ड स्तर पर कोई सर्वे हुआ है क्या?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को एक अहम सुझाव दिया, पूरे शहर में नई सफाई व्यवस्था लागू करने की जगह इसे किसी एक जोन या किसी एक विधानसभा में पॉयलट प्रोजेक्ट की तरह लागू कर देखा जाए, व्यवस्था सफल होने पर ही इसे दूसरे जोन या दूसरी विधानसभा के वार्डों में अमल में लाया जाए। एक साथ चारों विधानसभा के वार्डों में केंद्रीयकृत सफाई व्यवस्था लागू करने तर्कसंगत नहीं है।

महात्मा गांधी सदन में गुरुवार को महापौर मीनल चौबे, अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पांडे, जसदेव सिंह बाबरा, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी योगेश कडू के साथ दस जोन के जोन अध्यक्ष और भाजपा पार्षद दल सचेतक आशु चंद्रवंशी की मौजूदगी में बैठक हुई। इसमें प्रमुख रूप से राज्य शासन की मंशा अनुरूप शहर में प्रस्तावित नई केंद्रीय सफाई व्यवस्था संबंधी विषय रहा। इस मौके पर जोन अध्यक्षों और महापौर ने संबंधित अधिकारियों से बिंदुवार जानकारी चाही, इनमें से कुछ प्रश्नों का जवाब ही अधिकारी दे पाए बाकी के संबंध में उनका जवाब रहा कि उन्हें इस संबंध में ज्यादा जानकारी नहीं है इसलिए आवश्यक जानकारी जुटाकर इससे अवगत कराएंगे। महापौर मीनल चौबे ने सफाई विभाग से संबंधित निगम के अधिकारियों से पूछा कि आपने नई सफाई व्यवस्था के लिए क्या कार्ययोजना बनाई है, इससे अवगत कराएं? योजना बनाने और सफाई के लिए टेंडर जारी करने से पहले पार्षदों और सभी जोन कमिश्नर और सभी जेडएचओ से चर्चा कर उनके सुझाव जरूर लें।

महापौर का दूसरा सुझाव ये रहा कि पूरे शहर में नई सफाई व्यवस्था लाने की जगह इसे नगर निगम के किसी एक जोन या एक विधानसभा वाले वार्ड में पहले आजमाएं। पॉयलट प्रोजेक्ट जब सफल रहे तभी दस जोन में इसे लागू करना बेहतर होगा। उन्होंने अधिकारियों से सवाल किया कि केंद्रीयकृत सफाई व्यवस्था से सफाई का खर्च कितना अतिरिक्त बढ़ेगा? अधिकारियों ने जवाब दिया 15 फीसदी खर्च बढ़ना अनुमानित है।

हड़ताल पर बैकप प्लान क्या?

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि वर्तमान में रामकी कंपनी के सफाई कर्मचारी जब हड़ताल पर जाते हैं तो कंपनी के पास कोई बैकप प्लान नहीं रहता, क्या नई व्यवस्था में भी इस तरह की दिक्कत होगी? इसके लिए आपने बैकप प्लान क्या बनाया है? जोन अध्यक्षों ने आशंका जताई कि केंद्रीयकृत सफाई व्यवस्था में वार्ड की सफाई प्रभावित होने या कर्मचारी के समय पर नहीं आने की स्थिति में क्या पार्षदों और आम जनता शिकायत सुनी जाएगी या ठेकेदार मनमर्जी से काम कराएगा। जोन अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि हर वार्ड की डेमोग्राफी तैर किया जाए, नाली या नाले की सफाई सही नही होने पर जलभराव के लिए किसकी जिम्मेदारी तय होगी, यह बात स्पष्ट होनी चाहिए। सूत्रों के मुताबिक नई सफाई व्यवस्था के बारे जेडएचओ और जोन कमिश्नरों को जब पूछा गया तो पता चला कि उन्हें नए नियम व शर्तों की जानकारी नही दी गई है। महापौर ने निगम के सभी जोन अध्यक्षों को निर्देशित किया कि अपने-अपने जोन में वार्ड पार्षदों की बैठक बुलाकर उन्हें शहर में लागू होने वाली नई केंद्रीयकृत सफाई व्यवस्था की जानकारी दें, उनके सुझाव भी लिए जाएं।

पांच सौ टन चीनी सप्लाई का झांसा देकर 1.87 करोड़ की ठगी

रायपुर। महाराष्ट्र, पुणे के चार कारोबारियों ने राजधानी के एक कारोबारी को 187 करोड़ रुपए कीमत की पांच सौ टन चीनी सप्लाई करने का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया है। कारोबारियों ने रायपुर के कारोबारी के साथ 1.87 करोड़ रुपए की ठगी की है। खमतराई थाने की पुलिस अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। कारोबारी राजेश अग्रवाल ने नाथबाबा एग्रो ट्रेड हब प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि राजीव मोरे और कंपनी के अन्य संचालक रफीक बाबा शेख, मिनोज बाबा शेख और गजाला शेख के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। पुणे के कारोबारियों ने राजेश से पहले समय पर माल की आपूर्ति कराने का विश्वास जीता, फिर 500 टन चीनी की सप्लाई का झांसा देकर 1.87 करोड़ रुपए आरटीजीएस के जरिए ले लिए, लेकिन माल कभी नहीं भेजा।

• शहर के गायत्री नगर सहित टूरीहटरी, सदर बाजार, बढ़ईपारा और लिली चौक से निकली रथयात्रा

रथयात्रा में भक्ति-आस्था, संस्कृति और सेवा का संगम

प्रभु जगन्नाथ की झलक पाने उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नयन दर्शन के बाद गुरुवार को सुबह से भक्ति, संस्कृति और सेवा का ऐसा संगम गायत्री नगर में बना, जो देखने लायक था। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा दिव्य रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। उनकी झलक पाने के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। इस तरह की स्थिति राजधानी के सदर बाजार, पुरानीबस्ती, बढ़ईपारा सहित लिली चौक और अश्वनी नगर में देखने को मिली। भगवान की पूजा-अर्चना के बाद मंदिर प्रांगण में जय जगन्नाथ की गूंज रही। डीजे-धुमाल के साथ ही भजन-कीर्तन करते हुए आस्था में डूबे भक्त और भगवान का रथ जिस रूट से निकला दर्शन करने के लिए तांता लगा रहा।

भजन-कीर्तन से बना भक्तिमय माहौल

रथयात्रा गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ होकर खम्हारडीह थाना रूट से बीटीआई ग्राउंड पहुंची, जहां भक्तों ने भगवान का दर्शन, पूजन किया। इस दौरान छोटे बच्चों को तुलसी स्पर्श के साथ भगवान का पावन रथ दर्शन करवाते देखने देखने को मिले। रथ देर-शाम को पुनः गायत्री नगर स्थित मौसी के घर पहुंचा। मार्ग में श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा पुष्पवर्षा, आरती और भजन-कीर्तन के साथ भगवान का भव्य स्वागत किया गया। महिला मंडलों के भजन-कीर्तन, आकर्षक झांकियां, ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, झूमर, करमा एवं सुवा नृत्य ने आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। सुसज्जित रथों की दिव्यता और भक्तों की अपार श्रद्धा ने आध्यात्मिक वातावरण बनाया।

राजेश्री महंत ने की पूजा और खींचा रथ

श्री जगन्नाथ मंदिर टूरीहटरी पुरानी बस्ती में रथ यात्रा का उत्साह चरम पर था। सुबह से मंदिर में भक्तों का तांता लगना शुरू हुआ। सुबह 9 बजे होम, हवन के बाद जगन्नाथ की आरती की गई। दोपहर में भोग भंडारे का आयोजन किया गया। अपराह्न 3.30 बजे रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों लोग सपरिवार शामिल हुए। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास ने रथ यात्रा से जुड़ी परंपराओं का निर्वहन किया। इसमें दाऊ महेंद्र अग्रवाल, सुरेश शुक्ला, अजय तिवारी, विजय पाली, रामकृष्ण पाली, तोय निधि वैष्णव, बृजभूषण द्विवेदी, अनिल बरोड़िया ,प्रशांत ठेंगड़ी, राहुल उपाध्याय, तिलक दास, राम छबिदास, रामप्रिय दास, रामलोचन दास और निर्मल दास वैष्णव ने धार्मिक अनुष्ठान को पूर्ण किया।

रायपुर। गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में मुख्य आयोजन किया गया। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का दिव्य रथ श्रद्धा, आस्था और सनातन परंपरा के साथ निकला। जय जगन्नाथ के गगनभेदी जयघोष, शंखध्वनि, वैदिक मंत्रोच्चार, हरिनाम संकीर्तन एवं भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना। रथयात्रा में राज्यपाल रमेन डेका अपनी धर्मपत्नी सहित, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विशेष रूप से शामिल हुए। दोनों ने श्री जगन्नाथ के श्रीचरणों में पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए तथा सनातन परंपरा के अनुरूप 'छेरापहरा' की परंपरा का निर्वहन करते हुए स्वर्ण झाड़ू से रथ मार्ग की प्रतीकात्मक सफाई की। श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष एवं उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि भगवान की रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा और जनभागीदारी का महापर्व है।

पुण्य पाने की आस में उमड़े भक्त

सदर बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में सुबह से लेकर देर-शाम तक उत्सव का माहौल रहा। सुबह से लोग भगवान का दर्शन, पूजन करने के लिए पहुंचे, इससे भक्तों का तांता लगा। पं. मोहित पुजारी ने बताया कि पारंपरिक रूप से दिव्य रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ भक्तों को दर्शन देने के लिए निकले। दिव्य रथ को खींचने के लिए भक्तों को इंतजार भी करना पड़ा। हर किसी में भगवान के दिव्य रथ को स्पर्श करने और उसे खींचने का पुण्य अर्जन करने की रही। रथ ने तय रूट का भ्रमण किया और इसके साथ ही पारंपरिक रूप से बनाए गए गुंडिचा मंदिर में विश्राम के लिए रूके, जहां पूजा-आरती के साथ आयोजन को विश्राम दिया गया।

उत्कल गाड़ा महिला महामंच ने किया भंडारा

रथयात्रा पर उत्कल गाड़ा महिला महामंच की महिला टीम द्वारा मोतीबाग चौक, आमापारा, लाखेनगर, कोटा, अवंति विहार सहित विभिन्न चौक-चौराहों पर महाप्रभु के दिव्य रथ का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। खम्हारडीह चौक में विशाल महाप्रसाद का आयोजन किया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं, मातृशक्ति, युवाओं ने महाप्रभु का महाप्रसाद ग्रहण किया। प्रदेश अध्यक्ष सावित्री जगत, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ममता साहू, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ राज्य श्रम कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष किशोर महानंद, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार राठी स ने महाप्रभु से आशीर्वाद लिया।

अष्टधातु मां दुर्गा मंदिर भाठागांव से निकली रथयात्रा

भाठागांव स्थित अष्टधातु मां दुर्गा मंदिर से भी जगन्नाथ रथयात्रा निकाली गई। पं. मनोज शर्मा ने बताया, श्रीराम चौक स्थित शिव मंदिर से रथयात्रा प्रारंभ हुई। मंदिर सेवा समिति के सदस्यों द्वारा प्रभु को नियमित रूप से काढ़ा पिलाने सहित अन्य परंपराएं भी पूर्ण की गईं। इस दौरान सेवा समिति के आदित्य, कृष्णा, कैलाश, द्रौपती, सुरभि सहित अन्य श्रद्धालु शामिल रहे।

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा गगन...

तात्यापारा चौक से राधे रासबिहारी की दिव्य पालकी के साथ भक्त झूमते और नाचते हुए निकले। विभिन्न मार्गों से होते हुए भक्तों का समूह समता कॉलोनी की ओर आगे बढ़ा। वहीं बढ़ईपारा स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से दोपहर 3 बजे पं. शिवप्रताप मिश्र, पं. अखिल मिश्र के मार्गदर्शन में परंपराओं का निर्वहन किया गया। इसके बाद गोविंद साहू, कुंज बिहारी यादव सहित भाजपा नेता प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने भगवान का रथ खींचते हुए आगे बढ़े। इसी तरह लिली चौक से पं. संजय जोशी के मार्गदर्शन में रथयात्रा का आयोजन किया गया। भक्तों को गजा-मूंग का प्रसाद वितरित करने की जिम्मेदारी युवाओं ने निभाई।

सिटी लाइव

प्लास्टिक का दुरुपयोग रोकने किया जागरूक

रायपुर। कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना के 200 छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए शैक्षणिक भ्रमण किया। सभी छात्र-छात्राओं ने विधानसभा के प्रश्न-उत्तर की कार्यवाही का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन दर्शक दीर्घा में बैठकर किया। प्रश्न-उत्तर के दौरान विधायक अजय चंद्राकर के तीखे प्रश्नों का उत्तर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सूझबूझ से दिया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डॉ. चरणदास महंत नेता प्रतिपक्ष के प्रश्नों का उत्तर कृषिमंत्री रामविचार नेताम ने दिया। विधानसभा की कार्यवाही में छात्र-छात्राओं ने प्लास्टिक के दुरुपयोग को रोकने को लेकर चर्चा की। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग मंत्रियों और पक्ष-विपक्ष के विधायकों से मुलाकात की। छात्र-छात्राओं के आग्रह पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नेता विपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व शिक्षा मंत्री विक्रम उसेंडी ने ग्रुप फोटो कराया।

विद्यार्थियों ने किया नई व्यवस्था का अवलोकन

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, मंत्री टंकराम वर्मा, ग्रामोद्योग मंत्री के साथ छात्र-छात्राओं की चर्चा भी हुई एवं मंत्रियों के साथ फोटोग्राफी कराई। नवनिर्मित छत्तीसगढ़ विधानसभा की लाइब्रेरी तथा परिसर में नई व्यवस्था का अवलोकन किया। छात्र-छात्राओं के साथ कृष्णा पब्लिक स्कूल सरोना के संचालक डॉ. राकेश मिश्रा, खेल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रताप देवांगन, स्कूल की शिक्षिका कल्पना बोस, वाय. रत्ना, संगीता जयन, बबीता यादव, सुलभा शर्मा, स्कूल के शिक्षक प्रभात सिंह, संस्कार मिश्रा के सहयोग से शैक्षणिक भ्रमण सफल हुआ। इस भ्रमण में कैलाश चक्रधारी, योगेंद्र साहू, कमलकांत सोनी मुख्य रूप से शामिल हुए।

सिटी लाइव

भजन जैमिंग और तम्बोला प्रतियोगिता से सजी महफिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत महिला विंग एवं युवा विंग द्वारा मेडिकल कालेज ऑडिटोरियम में गुरुवार को भजन जैमिंग और तम्बोला का आयोजन किया गया। शाम 4 बजे भगवान झूलेलाल की आरती के साथ प्रख्यात भजन गायक शांतनु और उनकी टीम द्वारा आज की आधुनिक शैली में भजन गाए। इससे सभागार में भक्तिमय माहौल बन गया। शाम को शुरू हुए आयोजन का लुत्फ उठाने समाज की महिलाओं, बच्चे एवं वरिष्ठजनों की भीड़ उमड़ी। 1500 से अधिक समाजजनों की उपस्थिति ने आयोजन को उत्सव का रूप दिया। भजनों की श्रृंखला ने आयोजन को यादगार बना दिया। इस आयोजन से ऑडिटोरियम में ऐसा माहौल बना कि लोग भक्तिमय भजनों पर झूम उठे। इस आयोजन को सभी वर्ग की उपस्थिति ने खास बनाया।

गीत-संगीत और भजन के बाद गेम्स

गीत-संगीत और भजनों की प्रस्तुति के बाद महिलाओं ने तम्बोला, पुरुषों और बच्चों के साथ खेला गया। इसमें सभी ने आनंद लेते हुए खेल खेला। सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस आनंदमय कार्यक्रम में मुख्य रूप से बाबा मुरलीधर उदासी, प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी, महेश रोहड़ा, रमेश मिर्घानी, अमित चिमनानी, कमल लहेजा, जीवत बजाज के सहयोग से सफल आयोजन किया गया। बलराम आहूजा, कैलाश बालानी, तनेश आहूजा, महिला विंग अध्यक्ष दीक्षा रामानी, कनक खेमानी, हेमा अमेसर, चंचल बजाज, रूही दरयानी ने कार्यक्रम संचालन में सहयोग किया। यह जानकारी प्रवक्ता गौरव मंधानी ने दी।

सिटी लाइव

डोपिंग से बचने नाडा के नियमों पर खिलाड़ियों को दी जानकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा मंगलवार को विभिन्न वर्गों एवं श्रेणियों के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ के लिए एंटी डोपिंग संबंधी नियमों की जानकारी देने हेतु होटल मैरियट रायपुर में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) की ओर से डॉ. नेहा सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों को नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के नियमों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही डोपिंग से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों और उपायों से अवगत कराया। डॉ. नेहा सिंह ने खिलाड़ियों एवं सपोर्ट स्टाफ को ऐसे माध्यमों की भी जानकारी दी, जिनके जरिए वे प्रतिबंधित दवाइयों तथा खाद्य पदार्थों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, ताकि अनजाने में किसी भी नियम का उल्लंघन न हो। सेमिनार में पुरुष एवं महिला वर्ग की विभिन्न श्रेणियों के खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डोपिंग से बचने के लिए आवश्यक सावधानियों और उपायों से कराया अवगत

● सावन के आगमन और फेस्टिवल्स का ग्रैंड वेलकम करने तैयारी में जुटीं महिलाएं

मानसून में तीज-त्योहारों पर खास दिखने थीम बेस्ड परिधानों और मेकअप की बढ़ी डिमांड

सावन के आगमन के साथ ही त्योहारों का मौसम शुरू हो जाता है। इस दौरान खुद को खास और पारंपरिक दिखाने के लिए हरे रंग के परिधानों और स्वीट-प्रूफ मेकअप की मांग तेजी से बढ़ जाती है। सावन का महीना वुमन्स के लिए स्पेशल होता है। ऐसे में वुमन्स पहले से ही सावन श्रृंगार की तैयारी में जुट गई हैं।

रायपुर। शहर के गोलबाजार, पंडरी कपड़ा मार्केट, पुरानी बस्ती टूरीहटरी में साज-श्रृंगार, पारंपरिक परिधानों की खरीदारी के लिए वुमन्स बड़ी संख्या में पहुंच रही हैं। वहीं शहर के लेडी ब्यूटी पार्लर व ब्यूटी एक्सपर्ट से टिप्स और तिथि बुकिंग करा रही हैं, ताकि सावन उत्सव में प्रकृति के अनुरूप खूबसूरत लुक पा सकें। गोलबाजार स्थित फैशन शोरूम के संचालक आर्यन गुप्ता ने बताया कि सावन के महीने में हरियाली का खास महत्व होता है, इसलिए हरे रंग के कपड़ों को बहुत शुभ और आकर्षक माना जाता है। इस सीजन के लिए फ्लोरल और बांधेज साड़ियां हल्के कपड़े पर फ्लोरल प्रिंट या पारंपरिक हरी बांधेज साड़ियां इस मौसम में सबसे ज्यादा पसंद की जा रही हैं। वहीं अनारकली सूट्स और शरारा भी गर्ल्स की फेवरेट बनी हुई हैं। इन परिधानों में कलर्स कॉम्बिनेशन में फेस्टिव लुक के लिए पेस्टल ग्रीन या गहरे रंग के अनारकली सूट भी ट्राई कर रही हैं। इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेस में मॉडर्न लुक के लिए रफल साड़ियां और स्कर्ट-कुर्ती सेट्स भी बेहतरीन ट्रेंड में हैं।

30 जुलाई से सावन उत्सव की शुरुआत

सावन में पूरे महीने के दौरान हरेली, हरियाली तीज, नागपंचमी और रक्षाबंधन के त्योहारों की पारंपरिक धूम रहेगी। शहर में सावन की धूम की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। इस वर्ष सावन 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। इस पावन महीने के प्रमुख आकर्षण और आयोजनों में कांवड़ यात्रा और शिवजी की भव्य शोभायात्रा शामिल हैं, जहां शहर के विभिन्न प्राचीन शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने बेताब है।

ऑक्सीडाइज़्ड सिल्वर ज्वेलरी में झुमके, चूड़ियां भा रहीं

एक्सेसरीज अपने पूरे लुक को पारंपरिक बनाने के लिए ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी में झुमके, चूड़ियां या हरे कांच की चूड़ियों के साथ हाथों में मेहंदी जरूर लगाएं। सावन सोमवार या पूजा के लिए ज्वेलरी सावन में हरियाली का प्रतीक हरी चूड़ियां और सुहाग की निशानी लाल चूड़ियां पहनना बहुत शुभ होता है। सावन स्पेशल ज्वेलरी में कुंदन वर्क वाली हरी चूड़ियां, ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी के साथ सूती या हैंडलूम साड़ियों के साथ ऑक्सीडाइज्ड सिल्वर चोकर और बड़े झुमके बहुत खूबसूरत लगते हैं।

सावन स्पेशल वॉटरप्रूफ लॉन्ग-लास्टिंग मेकअप

सावन स्पेशल मेकअप बारिश और उमस के मौसम में मेकअप को पिघलने से बचाने के लिए वॉटरप्रूफ और मैट उत्पादों का इस्तेमाल करें। प्राइमर मेकअप की शुरुआत एक अच्छे प्राइमर से करें, ताकि बेस लंबे समय तक टिका रहे। आई मेकअप के लिए पेंसिल की जगह वाटरप्रूफ जेल आईलाइनर या मस्कारा का उपयोग करें, ताकि आंखों का मेकअप बारिश में खराब न हो। लाइट पिंक शेड्स की लॉन्ग-लास्टिंग और ट्रांसफर-प्रूफ लिपस्टिक चुनें, जो सावन के फ्रेश लुक के साथ अच्छी लगे। मेकअप पूरा होने के बाद सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल जरूर करें, इससे मेकअप पसीने में भी खराब नहीं होगा।

शास्त्रीय नृत्य में रावण वध और श्रीकृष्ण लीला के प्रभावशाली प्रस्तुति से बांधा समां

स्पिक मैके द्वारा शास्त्रीय नृत्यांगना उषा रानी का कोलंबिया प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में आयोजन

रायपुर। कोलंबिया प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति को समर्पित स्पिक मैके कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कला प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संगीत नाटक अकादमी के उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित, दूरदर्शन की 'ए'ग्रेड कलाकार एवं आईसीसीआर में पंजीकृत एकल कलाकार उषा रानी की मनमोहक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुति रही। कार्यक्रम में स्पिक मैके सोसाइटी फॉर दी प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमांगस्ट युथ से अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्रो. चांसलर हरजीत सिंह हूरा, कुलपति प्रो. डॉ. रमन के. झा, डॉ. सुरेंद्र सराफ, छात्र कल्याण अधिष्ठाता तथा इवान स्मिथ प्राचार्य कोलंबिया ग्लोबल स्कूल उपस्थिति रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने कार्यक्रम में आमंत्रित सुप्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना एवं नृत्य निर्देशक उषा रानी, खोल वादक कृष्णकांत दास, गायक उपेन बोरगायन तथा ताल संगतकार डॉ. जादब बोरा का स्वागत एवं सम्मान किया।

अपने संबोधन में प्रो. चांसलर हरजीत सिंह हूरा ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय कलाएं युवाओं में अनुशासन, विनम्रता एवं सांस्कृतिक गौरव की भावना विकसित करती हैं तथा शैक्षणिक परिसरों में सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने में स्पिक मैके की महत्वपूर्ण भूमिका है।

25 वर्षों से शास्त्रीय नृत्य साधना की यात्रा

25 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ उन्होंने वर्ष 1997 में कीर्तन कला केंद्र की स्थापना की और निरंतर शास्त्रीय नृत्य के संरक्षण एवं प्रशिक्षण में योगदान दे रही हैं। प्रस्तुति के दौरान उन्होंने शास्त्रीय नृत्य की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक परंपरा, जिसकी स्थापना 15वीं शताब्दी में असम के महापुरुष शंकरदेव ने की थी, का परिचय देते हुए रामायण के रावण वध तथा श्रीकृष्ण लीला जैसे प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया। कृष्णकांत दास के खोल वादन, उपेन बोरगायन के मधुर गायन तथा डॉ. जादब बोरा की ताल संगत ने प्रस्तुति को और अधिक जीवंत एवं आध्यात्मिक बना दिया।

जेसीआईपर चैप्टर के पदाधिकारियों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने भरा उत्साह

जेसीआई सुपर चैप्टर ऑफ रायपुर ज़ोन-27 में जेएफपी यशस्विनी का विशेष दौरा

रायपुर। जेसीआई सुपर चैप्टर ऑफ रायपुर जोन-27 द्वारा जेसीआई इंडिया की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी के विशेष दौरे को लेकर आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शांतिनगर स्थित विमतारा हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न चैप्टर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की समीक्षा की तथा आगामी आयोजनों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सुझाव प्रदान किए। कार्यक्रम में ज़ोन प्रेसिडेंट जेएफआर सीए प्रणव लाठ, टूर को-ऑर्डिनेटर जेसी आनंद जैन, नेशनल चेयरमैन जेकॉम जेसी सेन, अमितेश पाठक एवं पास्ट एनईसी जेसी सेन. चेतन तारवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन जेसी सुरभि चंदेल द्वारा किया गया। जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल की अध्यक्षा जेसी डॉ. धृति वैभव शर्मा ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी का परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जेसी सूरज अग्रवाल, जेएफएम अमन अग्रवाल, जेसी प्रियंका गुप्ता, जेसी तुषार अग्रवाल, जेसी रवि अंदानी, जेसी सुलभा पाण्डेय, जेसी पारस अग्रवाल, जेसी अर्क पीयूष पाण्डेय एवं जेसी बरखा अंदानी सहित विभिन्न चैप्टर्स के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी अपनी-अपनी टीमों के साथ उपस्थित रहे तथा अपनी गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

एनआईटी में ब्लॉकचेन एवं साइबर अपराध जांच में डिजिटल प्रमाणीकरण विषय पर कार्यशाला

बायोमेट्रिक, आइरिस और चेहरा डिजिटल पहचान सत्यापन प्रणाली को बनाता है अधिक सुरक्षित

कार्नर न्यूज

रायपुर। एनआईटी में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी एवं साइबर अपराध जांच में डिजिटल प्रमाणीकरण पर विशेषज्ञ सत्रों का आयोजन संस्थान के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस अकादमी चंदखुरी के सहयोग से आयोजित रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य उभरती हुई उन प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डालना था, जो साइबर सुरक्षा, डिजिटल जांच, सुरक्षित सूचना प्रबंधन तथा आधुनिक कानून प्रवर्तन प्रणाली को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। साथ ही कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करना तथा पुलिस अधिकारियों को साइबर अपराध की रोकथाम एवं जांच से संबंधित नवीनतम तकनीकी प्रगति से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ताओं में एनआईटी के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रीति चंद्राकर तथा ताइवान के नेशनल सन यात-सेन विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरिजित कराती शामिल रहे। इस अवसर पर प्रशिक्षणाधीन पुलिस उपाधीक्षक डीएसपी, डिप्टी कलेक्टर तथा पुलिस अकादमी के अन्य अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञों के साथ सक्रिय संवाद किया।

विषयों पर विशेषज्ञों के साथ रोचक संवाद

कार्यक्रम का समापन एक रोचक संवाद सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, प्रमाणीकरण तंत्र, डिजिटल पहचान की सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी, डिजिटल फॉरेंसिक जांच तकनीकों तथा उभरती साइबर सुरक्षा चुनौतियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। यह कार्यक्रम एसपीएआरसी पहल के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षण संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सार्थक सहयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों की तकनीकी समझ और साइबर अपराध जांच संबंधी क्षमताओं को सुदृढ़ करने में सफल रहा।

साइबर अटैक व रोकथाम के बारे में साझा की जानकारी

विशेषज्ञ सत्र में डिजिटल गेटकीपर्स : साइबर अपराध जांच में प्रमाणीकरण विषय पर डॉ. अरिजित कराती द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने प्रमाणीकरण के विभिन्न माध्यमों जैसे पासवर्ड, पिन, बायोमेट्रिक पहचान, आइरिस पहचान तथा चेहरे की पहचान आदि की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि ये डिजिटल पहचान सत्यापन प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने प्रमाणीकरण प्रणालियों को लक्षित करने वाले सामान्य साइबर हमलों जैसे ब्रूट-फोर्स अटैक, क्रेडेंशियल स्टफिंग, पासवर्ड से समझौता तथा पहचान-आधारित हमलों की विस्तृत जानकारी दी।

सिटी स्पोर्ट्स

सब जूनियर एवं जूनियर स्विमिंग का जिला चयन ट्रायल कल भिलाई में

भिलाई। 16वीं सब जूनियर एवं जूनियर छत्तीसगढ़ राज्य स्विमिंग स्पर्धा का आयोजन खेल परिसर सरकंडा बिलासपुर में 22 एवं 23 जुलाई को राज्य एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में दुर्ग जिला की सब जूनियर एवं जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग की टीमें भाग लेगी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के पूर्व जिले के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 18 जुलाई को शंकरा मेडिकल कॉलेज, जुनवानी भिलाई के स्विमिंग पूल में दोपहर 2:00 बजे से आयोजित किया जा रहा है। भाग लेने वाले खिलाड़ियों को दोपहर 1:00 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। खिलाड़ियों को आयु प्रमाण हेतु आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी व मूल प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। सब-जूनियर में खिलाड़ियों की आयु ग्रुप -3 में 11 एवं 12 वर्ष (वर्ष 2015 एवं 2014) एवं ग्रुप -2 में 13 एवं 14 वर्ष (वर्ष 2013 एवं 2012) जूनियर में खिलाड़ियों की आयु ग्रुप -1(ए) में 17 से 18 वर्ष (वर्ष 2009 एवं 2008) तथा ग्रुप -1(बी) में 15 से 16 वर्ष (वर्ष 2011 एवं 2010) शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका में भिलाई के अमान का दमदार प्रदर्शन एक स्वर्ण

भिलाई। दक्षिण अफ्रीका में 4 से 12 जुलाई 2026 तक आयोजित विश्व स्तरीय एशिया-पैसिफिक-अफ्रीकन अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भिलाई के खिलाड़ी अमान शुक्ला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्लासिक (अनइक्विप्ड) स्पर्धा के 120 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इस वर्ग का स्वर्ण पदक ताइवान के खिलाड़ी ने जीता।

अमान शुक्ला ने इससे पहले 8 जुलाई को प्रतियोगिता की इक्विप्ड श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया था। इसके बाद क्लासिक (अनइक्विप्ड) स्पर्धा में रजत पदक जीतकर उन्होंने अपने अभियान का शानदार समापन किया। यह उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता रही, जिसमें उन्होंने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर भारत, छत्तीसगढ़ और भिलाई का नाम रोशन किया। अपनी सफलता पर अमान शुक्ला ने अपने कोच आसिफ अली तथा भारतीय टीम के कोच कृष्णा साहू का विशेष आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में एशियन, पैसिफिक एवं अफ्रीकन पावरलिफ्टिंग महासंघ के चेयरमैन हनी स्मिथ ने भारतीय टीम के कोच एवं अंतरराष्ट्रीय निर्णायक कृष्णा साहू को प्रतियोगिता में निर्णायक और जूरी सदस्य के रुप में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राज्य स्तरीय एवं वेस्ट जोन बैडमिंटन की तैयारी

रायपुर। बिलासपुर जिला बैडमिंटन संघ के तत्वाधान में सीनियर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के साथ वेस्ट जोन की महत्वपूर्ण स्पर्धा न्यायधानी में आयोजित होगी। इसमें 25 से 29 अगस्त तक राज्य स्तरीय सीनियर प्रतियोगिता होगी। जिसमें लगभग 200 बालक बालिका खिलाड़ी भाग लेंगे।

वेस्ट जोन बैडमिंटन में 5 राज्यों क्रमशः गुजरात, गोवा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं मेजबान छत्तीसगढ़ की टीम भाग लेगी। जिसमें लगभग इन राज्यों के 90 खिलाड़ियों के साथ कोच, मैनेजर, रेफरी अंपायर सहित लगभग 150 की संख्या में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रदर्शन कर चुके खिलाड़ियों का जमावड़ा लगेगा।

इस संबंध में तैयारी को लेकर हुई बैठक में बैडमिंटन कोर्ट, स्पोन्सर, आवास, भोजन, जल, आवागमन, रेफरी की उपलब्धता, अतिथि आगमन, खिलाड़ी सुविधा विभिन्न विषयों पर चर्चा की गयी। इस दौरान जिले बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अरविंद गोयल, सचिव श्री चंद्राकर, उपाध्यक्ष मनीष उभरानी, सौरभ राय, मुख्य फील्ड सहयोगी कमल राय, मुख्य रेफरी प्रताप भट्टाचार्य, कोच गुरदीप सिंह, हेम पांडे, महिला कोच भारती दुबे, चम्पा मजूमदार, दिव्य सिंह एवं मीडिया सहयोगी जावेद अली ने अपने अपने विचार व्यक्त कर इस सफल आयोजन के बैठक में भाग लिया।

हार्ट अटैक से मिलते-जुलते हैं हार्ट बर्न क्या होता है के लक्षण

दिल पर आने वाली आपदा अटैक के बजाए हो सकती है हार्टबर्न, नौजवान भी तेजी से आ रहे इसकी चपेट में

हार्ट बर्न की समस्या अब नौजवानों में ज्यादा देखने को मिल रही है। आजकल की बदलती जीवनशैली (फास्ट फूड, तनाव, खराब पोस्चर) के कारण नौजवान हार्ट बर्न (सीने में जलन) या एसिड रिफ्लक्स से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। यह पेट का एसिड वापस भोजन नली में आने से होता है। हार्टबर्न सीने या गले में होने वाली एक जलन है, जो तब होती है जब पेट का एसिड वापस भोजन नली में ऊपर की ओर आ जाता है। यह दिल की बीमारी नहीं है, लेकिन छाती के बीच की हड्डी (ब्रेस्टबोन) के पीछे असहजता और जलन महसूस होती है। आमतौर पर लोग ऐसी दिक्कत को दिल की बीमारी से जोड़ लेते हैं। चूंकि दोनों ही समस्याओं में लक्षण एक जैसे होते हैं ऐसे में इनकी पहचान कर पाना कठिन हो जाता है। आइए जानते हैं कि हार्ट अटैक और हार्ट बर्न में क्या अंतर होता है?

हार्टबर्न की समस्या के बारे में जानिए

हार्टबर्न, सीने में जलन होने की समस्या है, ये पेट में बने एसिड के ग्रासनली में वापस आने के कारण होती है। यह गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज का एक सामान्य लक्षण है। वैसे तो ये समस्या अक्सर हल्के स्तर की होती है और सामान्य उपायों से ठीक भी हो जाती है, हालांकि कुछ मामलों में इसके कारण कई तरह की दिक्कतों का खतरा हो सकता है। हार्ट बर्न के कारण छाती में जलन होता है जो पेट के ऊपरी हिस्से को भी प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर खाने के बाद, लेटते या झुकते समय ये दिक्कत अधिक होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, लंबे समय तक बैठे रहने या खान-पान में समस्या के कारण हार्टबर्न होता है। गंभीर स्तर के हार्ट बर्न की समस्या और हार्ट अटैक में अंतर करना मुश्किल हो सकता है।

हार्टबर्न से मिलते-जुलते हैं हार्ट अटैक के लक्षण

डॉक्टर कहते हैं, हार्ट बर्न, एनजाइना और दिल का दौरा के लक्षण कई बार एक जैसे लग सकते हैं। अनुभवी डॉक्टर भी मेडिकल हिस्ट्री और शारीरिक जांच के बिना इसकी पहचान नहीं कर पाते हैं। हालांकि हार्टबर्न से इतर हार्ट अटैक की समस्या, दिल की धमनियों में जमाव और इसके कारण रक्त का प्रवाह बाधित होने के कारण होती है। हार्टबर्न की स्थिति में आमतौर पर सीने में जलन का एहसास होता है, क्योंकि यह पेट के एसिड के ग्रासनली में वापस जाने के कारण होता है। दूसरी ओर, दिल का दौरा पड़ने पर सीने में दबाव, जकड़न या दबाव जैसा महसूस हो सकता है। सीने में जलन की समस्या आमतौर पर

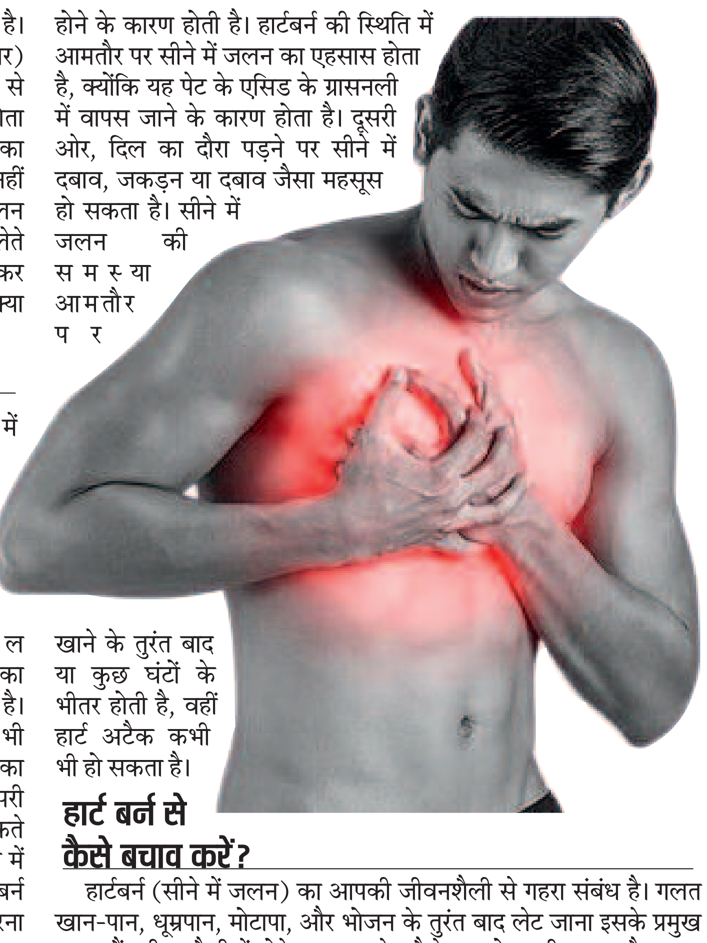

खाने के तुरंत बाद या कुछ घंटों के भीतर होती है, वहीं हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है।

हार्ट बर्न से कैसे बचाव करें?

हार्टबर्न (सीने में जलन) का आपकी जीवनशैली से गहरा संबंध है। गलत खान-पान, धूम्रपान, मोटापा, और भोजन के तुरंत बाद लेट जाना इसके प्रमुख कारण हैं। जीवनशैली में छोटे सुधार करके, जैसे रात को जल्दी खाना और वजन नियंत्रित रखना, इस समस्या से आसानी से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट बर्न के खतरे से बचे रहने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। भोजन के दौरान ज्यादा पानी न पिएं, इससे आपकी ग्रासनली पर दबाव पड़ता है। लार का उत्पादन बढ़ाने के लिए च्युइंग गम चबाएं। इससे भोजन को पचाने में मदद मिलती है। खाने के बाद लेटने से सीने में जलन हो सकती है, इसलिए भोजन के बाद टहलने की आदत बनाएं।

डायबिटीज के मरीजों को आंखों पर देना चाहिए खास ध्यान

जिन लोगों को शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें समय के साथ नसों, पाचन, हार्ट और आंखों से कम दिखने की दिक्कत होने लगती है। डायबिटीज की समस्या आपकी आंखों को कैसे प्रभावित करती है, इससे कारण अंधेपन का खतरा कैसे बढ़ जाता है, इस बारे में जानिए जरूर।

डायबिटीज या हाई ब्लड शुगर की समस्या दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार हो रहे हैं। अध्ययनकर्ता कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण डायबिटीज के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये दिक्कत रही है, उन्हें भी खतरा अधिक हो सकता है। डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर बढ़े रहने की बीमारी नहीं है, इसका शरीर पर कई अन्य तरह से भी असर हो सकता है। जिन लोगों को शुगर लेवल अक्सर हाई रहता है, उनमें समय के साथ नसों, पाचन, हार्ट और आंखों से कम दिखने की दिक्कत होने लगती है। डायबिटीज की समस्या आपकी आंखों को कैसे प्रभावित करती है, इससे

कारण अंधेपन का खतरा कैसे बढ़ जाता है, आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

डायबिटिक आई डिजीज या डायबिटिक रेटिनोपैथी

हमारी आंखें एक कैमरे की तरह हैं, जो हमें दुनिया को देखने में मदद करती हैं। लेकिन जब शरीर में शुगर का स्तर लंबे समय तक बढ़ा हुआ रहता है, तो यह स्थित आंखों की रोशनी को धीरे-धीरे धुंधला करने लग जाती है। इसे डायबिटिक आई डिजीज या डायबिटिक रेटिनोपैथी के नाम से जाना जाता है। ये आंखों से जुड़ी एक गंभीर स्थिति है, और अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो अंधापन तक हो सकता है। अब सवाल ये है कि हाई शुगर की स्थिति आंखों को कैसे नुकसान पहुंचाती है? नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ समीर शुक्ला बताते हैं, डायबिटीज की समस्या शरीर में मौजूद रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसेल्स) को नुकसान पहुंचाने लगती है। आंखों में भी बेहद नाजुक रक्तवाहिकाएं होती हैं।

बरसात में रोशनी करते ही मंडराने लगते हैं कीड़े तो करें कुछ देसी उपाय

बरसात के मौसम में नमी के बाद दूसरी बड़ी समस्या बरसाती कीड़ों की होती है। अगर आपके भी किचन में शाम के वक्त ये कीड़े आकर आतंक मचाने लगते हैं, आपको इनसे छुटकारा पाने के कुछ देसी जुगाड़ अपनाना चाहिए।

बरसाती कीड़ों को किचन से भगाने के देसी जुगाड़- आप नीचे बताए जा रहे इन जुगाड़ को आसानी से घर में रखी चीजों की मदद से आजमा सकती हैं। इनको करने में मेहनत और पैसे दोनों बच जाएंगे।

लहसुन और तेजपत्ता करेगा कमाल- इसके लिए

आपको लहसुन की करीब 4-5 कलियां छील लेनी हैं। अब आप मसालदानी में रखे 3-4 तेजपत्ते भी लें। फिर आपको एक बड़ा मिट्टी का दिया लेना है। उसमें आप लहसुन की कलियां और तेजपत्ते के टुकड़ें तोड़कर रखें। ऊपर से दो कपूर की गोलियां भी रख दें। अब इसमें आपको आग लगाकर बुझा देना है। कपूर, लहसुन और तेजपत्ते की तेज स्मेल से एक भी बरसाती कीड़ा आपकी किचन में भी आएगा। यह धुआं आपकी सेहत के लिए भी हानिकारक नहीं रहेगा।

नीम की पत्तियां- आपको गाय के गोबर का उपला लेना है। अब इसपर आपको ताजी नीम की पत्तियां लाकर रख देनी हैं। इसपर भी आप थोड़ी कपूर की गोलियां रख दें। ताकि यह आसानी से जल जाए।

प्रांजल और अद्वित बने छत्तीसगढ़ राज्य अंडर-13 शतरंज के चैंपियन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य अंडर-13 फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप 2026 का समापन गुरुवार को हुआ। प्रतियोगिता में राज्य के 15 जिलों से 46 फिडे रेटेड सहित 126 खिलाड़ी शामिल हुए।

अंतिम राउंड में शीर्ष बोर्डों पर बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। शीर्ष बोर्ड पर प्रांजल सिंह और ईशिका मडके ने अपने फाइनल मुकाबले ड्रॉ खेलकर सुरक्षित रणनीति अपनाई और शीर्ष स्थान सुनिश्चित करते हुए अपने-अपने वर्ग में राज्य चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

वहीं तीसरे बोर्ड पर अद्वित पांडे और सिद्धार्थ मिश्रा के बीच बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबला खेला गया। कठिन स्थिति में फंसे अद्वित ने काले मोहरों के साथ शानदार रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला ड्रॉ कराया और महत्वपूर्ण आधा अंक अर्जित कर उपविजेता का स्थान सुनिश्चित किया।

बालिका वर्ग में निष्ठा त्रिपाठी ने अंतिम राउंड में अद्विका पांडे को पराजित करते हुए शानदार जीत दर्ज की और उपविजेता बनने में सफलता प्राप्त की। यह मुकाबला पूरे अंतिम राउंड के सबसे आकर्षक मुकाबलों में से एक रहा।

प्रतियोगिता के बालक वर्ग में प्रथम स्थान दुर्ग जिले के प्रांजल सिंह, द्वितीय स्थान रायपुर जिले के अद्वित पांडे, तृतीय स्थान दुर्ग जिले के शिल्प कुमार घोड़ेश्वर, चतुर्थ स्थान रायगढ़ जिले के ऋषित अग्रवाल एवं पंचम स्थान पर दुर्ग जिले के वी. विराट अय्यर ने प्राप्त किया।

इसी प्रकार बालिका वर्ग में प्रथम स्थान दुर्ग जिले की ईशिका मडके, द्वितीय स्थान रायपुर जिले की

निष्ठा त्रिपाठी, तृतीय स्थान रायगढ़ जिले की अनुरुद्धि अनंत, चतुर्थ स्थान राजनांदगॉव जिले की राशि वारुडकर एवं पंचम स्थान रायपुर जिले की सावी गौरी ने प्राप्त किया। दोनों वर्गों के प्रथम तीन स्थानों पर आये खिलाड़ियों को क्रमशः 5000, 3000 एवं 2000 रू. का नकद पुरस्कार एवं ट्राफी दिया गया एवं पर सभी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ एवं अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के चयन नियमों के अनुसार बालक एवं बालिका वर्ग के प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आये खिलाड़ी राष्ट्रीय अंडर-13 शतरंज चैंपियनशिप हेतु छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगें एवं तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पर आये खिलाड़ी रिजर्व में होंगे।

प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी एवं बिलासपुर जिला शतरंज संघ के पदाधिकारी मनीष उभरानी एवं छत्तीसगढ़ के अंतराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी श्रेयांश डाकलिया मंचासीन रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया एवं विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ द्वारा किया गया।

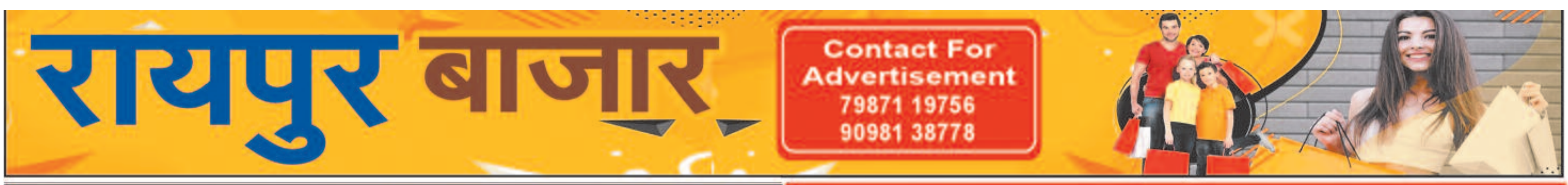

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

माइकल ने 'ऑब्सेशन' के सीक्वल को लेकर किया बड़ा खुलासा

हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' में मुख्य भूमिका निभा चुके माइकल जॉनस्टन ने इस फिल्म के सीक्वल को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' फिलहाल सिनेमाघरों में चल रही है और इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी देखा जा सकता है। 'ऑब्सेशन' ने बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई की है, अब इसके सीक्वल को लेकर एक खास जानकारी सामने आई है। जिसे लेकर फिल्म के मुख्य अभिनेता माइकल जॉनस्टन ने खुलासा किया है।

'ऑब्सेशन' फिल्म के मुख्य अभिनेता माइकल जॉनस्टन ने एक इंटरव्यू में यह साफ किया है कि इस फिल्म के सीक्वल की फिलहाल कोई योजना नहीं है। माइकल ने कहा कि हालांकि वे इस फिल्म के अगले भाग में काम करना पसंद करेंगे, लेकिन अभी ऐसा कोई प्लान नहीं है। माइकल ने मजाक में कहा कि फिल्म में उनके किरदार 'बेयर' को जो अंत मिला, दर्शक उसी के हकदार उसे मानते थे। इसलिए शायद ही लोग उसकी वापसी चाहें। हालांकि, उन्होंने फिल्म के निर्देशक करी बार्कर के उस आइडिया की तारीफ की, जिसमें इस फिल्म को एक अलग-अलग कहानियों वाली सीरीज में बदलने की बात कही गई है। फिल्म 'ऑब्सेशन' करीब 6.2 करोड़ रुपये के छोटे बजट में मात्र 20 दिनों में बनकर तैयार हुई थी। लेकिन इसने दुनिया भर में करीब 3,300 करोड़ रुपये से ज्यादा की रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। यह इस साल की सबसे बड़ी हॉरर फिल्म बनकर उभरी है। फिल्म 'ऑब्सेशन' में बेयर (माइकल जॉनस्टन) नाम का लड़का अपनी क्रश निक्की (इंडे नवरेट) का दिल जीतने के लिए एक जादुई और रहस्यमयी खिलौना तोड़ता है।

टॉलीवुड

खत्म हुआ 'जन नायकन' का इंतजार 23 जुलाई को होने जा रही रिलीज

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से परदा भी उठाया। 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनोमाघरों में रिलीज होगी। आज फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

भोजपुरी

पावर स्टार के नए गाने के साथ पत्नी ज्योति का क्रिप्टिक पोस्ट

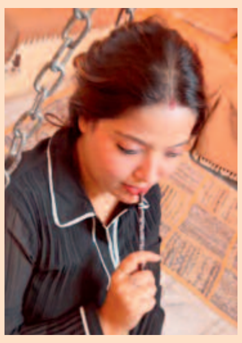

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है। उन्होंने इसके साथ पवन सिंह का हालिया रिलीज ब्रेकअप सॉन्ग 'नसीब' लगाया है। पवन सिंह इन दिनों अपने हालिया रिलीज ब्रेकअप सॉन्ग 'नसीब' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस गाने में पावर स्टार मोहब्बत से बिछड़ने के दर्द में तड़पते नजर आए हैं। प्रेमिका की शादी का कार्ड मिलने पर वे शराब के नशे में डूबकर बिलख-बिलखकर रोते दिखे हैं। उनका यह गाना सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रहा है। इस बीच पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने भी इस गाने पर एक पोस्ट साझा किया है।

पवन सिंह और ज्योति सिंह की शादीशुदा जिंदगी में दरार आ गई है। ज्योति, एक्टर पति पवन सिंह पर कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। दोनों का तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। इस बीच ज्योति सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपने वीडियो साझा करते हुए बैकग्राउंड में पवन सिंह के गाने मिक्स करती हैं। एक बार फिर ऐसा हुआ है।

ज्योति सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें वे झूला पर बैठकर किताब पढ़ती दिख रही हैं। वीडियो में ज्योति अपना सिंदूर फ्लॉन्ट करती नजर आई हैं। वहीं, वीडियो के साथ नसीब गाने के लिरिक्स चल रहे हैं- 'जेहि दिल में रहे राजा जी नसीब में काहे ना'। इसके बाद नेटिजंस अंदाज लगा रहे हैं कि पवन सिंह के गाने का सहारा लेकर क्या ज्योति सिंह ने दिल की बात कही है?

ज्योति सिंह के इस पोस्ट पर नेटिजंस के कमेंट्स आ रहे हैं। यूजर्स पवन सिंह और ज्योति के बीच का झगड़ा खत्म होने की दुआ कर रहे हैं और कामना कर रहे हैं कि दोनों साथ रहें। एक यूजर ने लिखा, 'दूसरों की बातों में आकर अपना घर बर्बाद मत करो भाभी जी। आप दोनों एक हो जाओ। सारी जनता यही चाहती है'।

किफायत के लिए

सिंगापुर के डीबीएस फ़ाउंडेशन आउटडोर थिएटर में अलग-अलग पीढ़ियों और बैकग्राउंड की 39 मॉडल्स ने किफायत बरतने का संदेश देकर दर्शकों का दिल ने जीत लिया। इन सभी ने पहले से इस्तेमाल किए गए कपड़े पहने, जिसमें उनका आत्मविश्वास देखते ही बनता था। इस शो ने दिखाया कि पहले इस्तेमाल किए गए कपड़े भी बहुत फ़ैशनेबल हो सकते हैं और इसने आपसी तालमेल, सबको साथ लेकर चलने की भावना और नई बातचीत के लिए एक मंच तैयार किया।

बारिश में इन टिप्स से रचेगी हाथों की मेहंदी

बारिश का दौर चल रहा है, जिसमें महिलाएं श्रृगार पर खास ध्यान देती हैं। महिलाओं के 16 श्रृंगार में मेहंदी का अपना अलग योगदान है। बारिश के मौसम में बहुत सी महिलाएं इस बात से परेशान रहती हैं, कि उनके हाथों पर मेहंदी का रंग नहीं चढ़ता है। ऐसे में आपको कुछ ऐसे नुस्खे जरूर जानने चाहिए, जिनको ट्राई करने के बाद आपकी मेहंदी का रंग एकदम चटक आएगा। खास बात ये है कि इन नुस्खों को ट्राई करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेहंदी का एकदम काला-गाढ़ा रंग चाहिए तो नींबू का रस और चीनी का मिश्रण इसमें आपकी मदद करेगा। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले एक कटोरी में नींबू का रस निचोड़ लें और फिर इसमें थोड़ी सी चीनी डालकर उसका घोल तैयार करें।

पहला नुस्खा

जब हाथों की मेहंदी सूख जाए तो रुई की मदद से इस घोल को मेहंदी पर अप्लाई करें। ध्यान रखें इसे गलती से भी गीली मेहंदी पर अप्लाई न करें, वरना आपकी मेहंदी खराब हो सकती है। ये नुस्खा आपकी मेहंदी के रंग को गहरा कर देगा। हर घर में सरसों का तेल अवश्य रूप से ही पाया जाता है। ऐसे में आप इसकी मदद से भी अपनी मेहंदी को काला कर सकती हैं। इसके लिए जब मेहंदी पूरी तरह से सूख जाए, यानी कि जब इसे हटाने का समय हो तो मेहंदी को हटाकर अपने हाथों पर सरसों का तेल अप्लाई करें।

दूसरा नुस्खा

इसका फायदा तभी है, जब मेहंदी का रंग हल्का-हल्का आना शुरू हो जाए। सरसों का तेल अप्लाई करने के बाद हाथों को कुछ घंटे पानी से दूर रखें, ताकि इसका ज्यादा से ज्यादा असर आपकी मेहंदी पर हो सके।

तीसरा नुस्खा

मेहंदी का रंग गाढ़ा और गहरा करना है तो लौंग की भाप भी आपके काम आएगी। इसके लिए सबसे पहले तो एक तवे को गैस पर रखकर गर्म करें। अब इसपर 7-8 लौंग रखकर उसे भूनें। जब इसमें से तेज धुआं आने लगे तो इस भाप से अपनी मेहंदी को सेकें। भाप लेते समय हाथ को एकदम से तवे के ऊपर न करें, इससे हाथ पर छाला भी पड़ सकता है। लौंग की भाप लेते समय सावधानी बरतें, ताकि आपका हाथ भी सुरक्षित रहे और इसके जलने का खतरा भी न रहे। इसकी मदद से आपकी मेहंदी सूखेगी भी जल्दी ही।

ट्रेडिशनल लुक पाने मॉडर्न साड़ियों को ऐसे करें स्टाइल

बारिश के दिनों में साड़ियां एक अलग लुक देती हैं। क्योंकि साड़ी का फैशन एवरग्रीन है ही। अगर आप भी साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आपको एक बेहतरीन साड़ी चुनने में कुछ टिप्स की मदद मिलेगी। आपके लिए कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली मॉडर्न साड़ियों के साथ उन्हें स्टाइल करने की टिप्स भी मौजूद है। ये साड़ियां न्यू और खूबसूरत लुक पाने के लिए बेस्ट है, और इनमें आपका लुक बेहद सुंदर और सबसे अलग नजर आएगा।

प्रिंटेड साड़ी

न्यू और ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप इस तरह की प्रिंटेड साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी आप किसी पूजा के दौरान, या घर में हो रही पूजा के लिए भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत और अलग नजर आएगा। ये साड़ियां आपको ऑनलाइन के साथ-साथ बाजार में भी कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप पर्ल या स्टोन वर्क वाले इयररिंग्स पहन सकती हैं।

स्टोन वर्क साड़ी

एक मॉडर्न ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए आप स्टोन वर्क वाली साड़ी पहन सकती हैं। यह साड़ी आपके लुक को एक स्पेशल टच देगी और इसमें आपका लुक बेहद खूबसूरत व सबसे अलग नजर आएगा। इस तरह की साड़ियां आपको कई सारे कलर ऑप्शन में ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही जगहों पर मिल सकती हैं।इस साड़ी के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप मिरर वर्क ज्वेलरी का चुनाव कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी

भीड़ से अलग और खूबसूरत लुक पाने के लिए आप फ्लोरल प्रिंट साड़ी का चुनाव भी कर सकती हैं। यह साड़ी आपकी सुंदरता को बढ़ा देगी।

ग्रीन टी और बादाम तेल से बनाएं आई सीरम

अगर आप पफी आंखों के साथ-साथ डार्क सर्कल की समस्या से परेशान हैं तो ऐसे में आप ग्रीन टी और बादाम तेल की मदद से आई सीरम बना सकती हैं।

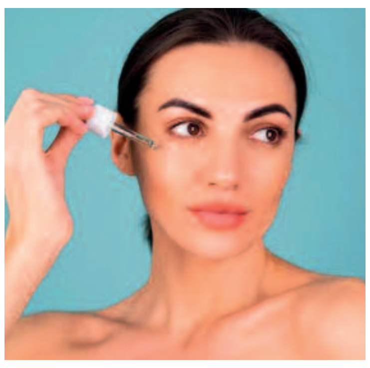

डार्क सर्कल के लिए होममेड आई सीरम कैसे बनाएं-

सबसे पहले दो बड़े चम्मच पानी उबाल लें और उसमें ग्रीन टी बैग डालकर 10 मिनट तक रख दें। अब इसे पूरी तरह ठंडा होने दें। अब एक छोटे बाउल में एक चम्मच बादाम तेल डालें। इसमें विटामिन ई कैप्सूल काटकर तेल में निचोड़ लें। अब इसमें एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसमें ठंडी हुई ग्रीन टी धीरे-धीरे डालें और अच्छी तरह मिलाएं ताकि एकदम सीरम जैसा बन जाए। अब इसे किसी साफ डिब्बी में भरकर फ्रिज में रख लें। आप इसे 7-10 दिन तक आराम से इस्तेमाल कर सकती हैं। होममेड सीरम को इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले चेहरा धोकर साफ कर लें। उंगली से थोड़ा सा सीरम लेकर आंखों के नीचे हल्के हाथों से थपथपा कर लगाएं। ध्यान दें कि आपको इसे रगड़ना नहीं है। इसे रिंग फिंगर से लगाना बेस्ट होता है क्योंकि उसका प्रेशर बहुत हल्का होता है।इसे रातभर लगाकर यूं ही छोड़ दें। इस होममेड सीरम से क्या फायदे मिलते हैं?

इस होममेड सीरम में मौजूद ग्रीन टी के एंटीऑक्सीडेंट्स और टैनिन्स आंखों के नीचे सूजन कम करते हैं। इससे पफीनेस कम होती है। समय के साथ डार्क सर्कल्स भी कम होते हैं। बादाम तेल में पाए जाने वाला विटामिन ई स्किन को पोषण देने के साथ-साथ रंगत निखारता है। विटामिन ई डैमेज स्किन को रिपेयर करने के साथ-साथ डार्क स्पॉट्स को हल्का करता है। सीरम में मौजूद एलोवेरा जेल स्किन को ठंडक देता है और आंखों की थकान को कम करता है।

कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को फॉलो करना चाहिए यह स्किन केयर

कॉम्बिनेशन स्किन का खास और अलग तरह से ध्यान रखा जाता है। कॉम्बिनेशन स्किन का मतलब ड्राई और ऑयली स्किन से है। आपने भी कभी न कभी यह महसूस किया होगा कि आपकी स्किन कहीं ड्राई है तो कहीं ऑयली, ऐसे में आपको अपनी त्वचा का ज्यादा खयाल रखना चाहिए। आज इस आर्टिकल में हम आपको स्किन केयर रूटीन के बारे में बताएंगे जिसे फॉलो करना जरूरी है।

क्लींज करें

चेहरे को साफ रखना बेहद जरूरी है। खासतौर पर कॉम्बिनेशन स्किन वाली महिलाओं को त्वचा को क्लींज करना चाहिए। इससे स्किन में मौजूद गंदगी और धूल साफ हो जाती है। इसके लिए आप माइल्ड क्लींजर का उपयोग कर सकती हैं। आप चाहें तो नेचुरल चीजों से भी फेस को क्लीन कर सकती हैं।

टोनर का इस्तेमाल

क्लींजर से केवल त्वचा में मौजूद गंदगी साफ होती है। इसलिए आपको एक्सट्रा ऑयल को रिमूव करने के लिए टोनर का उपयोग करना चाहिए। त्वचा का पीएच लेवल भी बैलेंस होना चाहिए। अन्यथा स्किन डैमेज हो सकती है। इसके लिए भी टोनर बेहद फायदेमंद होता है। इस बात का ध्यान रखें कि त्वचा पर केवल अल्कोहल-फ्री टोनर का ही उपयोग करें।

सीरम लगाएं

त्वचा के लिए सीरम कई तरह से फायदेमंद होता है। यही कारण है कि आजकल ज्यादातर महिलाएं इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करती हैं।

कार्नर न्यूज

आज पुरुषों के लिए ढेरों फैशनेबल एसेसरीज मार्केट में उपलब्ध

मेंस फैशन में परफेक्ट लुक के लिए एसेसरीज पहनने अपनाएं खास तरीके, बन जाएंगे महफिल की जान

पुरुष भी कपड़ों के साथ एसेसरीज के कलेक्शन से अपने लुक को संवारने की पूरी कोशिश करते हैं। जब ऐसा है तो यह जरूरी है कि एसेसरीज पहनने और इससे जुड़े टिप्स जान लिए जाएं, ताकि आप खुद का बेस्ट लुक देख पाएं। आप इस तरह खुद को आत्मविश्वास से लबरेज पाएंगे और अपने लुक को लेकर भी 'नो टेंशन' फील करेंगे। इसलिए आपके पास जितनी भी एसेसरीज हैं, उनको अब इन टिप्स के साथ पहनना आपके काम आने वाला है। एसेसरीज के बेस्ट लुक के लिए कौन से टिप्स हैं जरूरी, जानने से पहले इंटरनेट पर एसेसरीज पहनने से जुड़ी कई सर्च की जाती हैं, पहले इनको जान लीजिए।

कम में ज्यादा का मजा

एसेसरीज आपके कपड़ों का लुक बेहतर करने का एक साधन है। लेकिन अच्छे लुक के लिए एसेसरीज ज्यादा होना नहीं बल्कि इनका सही चुनाव जरूरी होता है। दरअसल कई लोग एसेसरीज अच्छी लगते ही इन्हें इतना ज्यादा पहन लेते हैं कि सबकुछ ज्यादा-ज्यादा लगने लगता है।

कई पुरुष तो हाथों में अंगूठी ही बहुत सारी पहन लेते हैं। जबकि एसेसरीज के साथ सिंपल और सोबर वाला लुक आना चाहिए। इसलिए कम से कम में ज्यादा से ज्यादा अच्छा लुक पाने के लिए एसेसरीज कम पर अच्छी पहनें।

मौके के हिसाब से एसेसरीज

ज्यादातर बार पुरुष एसेसरीज ऐसी खरीदते हैं जो हर मौके पर चल जाए। लेकिन ये सही नहीं है आपको अलग मौकों के हिसाब से अलग एसेसरीज पहननी होती है। तब ही इसका लुक अच्छा आता है। जैसे फंकी लुक वाली घड़ी फॉर्मल कपड़ों पर बिल्कुल अच्छी नहीं लगती है।

कपड़ों का रंग, एसेसरीज का रंग

एसेसरीज पहनने के लिए आपको कपड़ों के रंग पर भी ध्यान देना होगा। आपको कपड़ों के रंग के हिसाब से एसेसरीज का रंग भी चुनना होगा। इसके लिए जरूरी है कि आप कलर स्कीम को समझ लीजिए।

जैसे आप गोल्ड एसेसरीज को जींस के साथ नहीं पहन सकते हैं। या फॉर्मल सूट के साथ चमकते रंग वाला चश्मा बिल्कुल भी नहीं पहना जा सकता है। आपको रंगों को थोड़ा आपस में मैच करना होगा जैसे बेल्ट, टाई और घड़ी की स्ट्रेप का कलर एक जैसा होना चाहिए।

चंकी ज्वेलरी की मैचिंग

पुरुषों के लिए भी कई तरह की चंकी ज्वेलरी बाजार में मौजूद है। लेकिन इनको पहनने के लिए खास तरह के कपड़ों की जरूरत होती है। और ये हर ड्रेस के साथ मैच बिल्कुल नहीं होते हैं। फॉर्मल कपड़ों के साथ तो बिल्कुल भी नहीं।